RNI N.- BIHBIL/2022/88070 राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र www.bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 7 , अंकः 141 , शनिवार, 04 जुलाई 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

सीकरीया फार्मेसी कॉलेज के छात्र शैक्षणिक भ्रमण पर रवाना 03

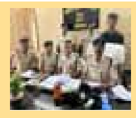
हरसिद्धि में पुलिस का आधी रात को बड़ा 'ऑपरेशन': अपराधियों की साजिश नाकाम... 04

फिल्मों के चुनाव को लेकर चेतना पांडे का बेबाक बयान, स्क्रीन टाइम... 07

संक्षिप्त समाचार

अब पंजाब कांग्रेस में बगावत, टूट संभव

- चन्नी गुट बोला-राजा वड़िंग प्रधान मंजूर नहीं

लुधियाना (एजेंसी)। बंगाल की तृणमूल कांग्रेस के बाद अब पंजाब कांग्रेस में टूट के आसार हैं। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष न बनाए जाने से नाराज पूर्व सीएम और जालंधर सांसद चरणजीत सिंह चन्नी ने मोर्चा खोल दिया है। उन्होंने अपने घर मोरिंडा में कांग्रेस नेताओं के साथ इमरजेंसी मीटिंग की। इसमें 3 मौजूदा विधायक समेत 50 नेता शामिल हुए। मीटिंग

के बाद एमएलए तृप्त राजिंदर बाजवा ने कहा कि सभी ने चन्नी से कहा कि वो हाईकमान से बात करें। वो चाहते हैं पंजाब में कांग्रेस की सरकार बने। हाईकमान से कोई लड़ाई नहीं है। जो फैसला लिया गया है उससे नाराजगी है। वड़िंग प्रधान मंजूरी नहीं। हाईकमान इस फैसले को रिकंसीडर करे। इधर, गुरदासपुर सांसद सुखजिंदर सिंह रंधावा ने दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। इस दौरान वे भाजपा के राज्यसभा सांसद तरुण चुघ के साथ नजर आए।

सरकार में होगी बिहार से नए मंत्रियों की एंट्री

- अब मिलेगा विवेक ठाकुर और मनन मिश्रा को मौका!

पटना (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कैबिनेट की सूरत पूरी तरह नहीं पर बदलने वाली है। पीएम मोदी के आसपास बैठने वाले कुछ चेहरे हटेंगे तो कुछ नए चेहरे आयेंगे। पर इस बदलाव में कौन नया चेहरा मंत्रिपरिषद में शामिल होगा और कौन नामचीन चेहरा मंत्रिपरिषद से बाहर होगा, यह कहना उतना आसान नहीं, जितनी रिपोर्ट मीडिया

का स्पेस ले रही हैं। मंत्रिमंडल विस्तार के इस चर्चा में बिहार भी शामिल है। वजह इसकी यह भी है कि साझा सामाजिक ,संस्कृति के तहत यूपी और बिहार का अपना कनेक्शन है और तो और यूपी में योगी सरकार का हैट्रिक दांव पर लगा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के कार्य करने के तरीकों पर नजर डाले तो इस बार मंत्रिमंडल विस्तार को ले कर बिहार को लेकर किसी फेरबदल की गुंजाइश काफी कम है। हालांकि विवेक ठाकुर और मनन मिश्रा लाइन में हैं।

सरकारी कामकाज को लेकर ऐक्शन में थलपति विजय

- विभागवार समीक्षा बैठक कर अधिकारियों से मांगा प्लान

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री थलपति विजय सरकार के कामकाज को लेकर एक्शन मोड में हैं। सीएम विजय ने विभाग-वार समीक्षा बैठकों की एक बड़ी सीरीज शुरू की है। इसका मकसद शॉर्ट-टर्म और लॉन्ग-टर्म गवर्नेंस रणनीतियां तैयार करना है। अधिकारियों को हर

विभाग के लिए एक साल, तीन साल और पांच साल के व्यापक ऐक्शन प्लान बनाने का काम सौंपा गया है। 22 जुलाई तक चलने वाली इस समीक्षा प्रक्रिया में मुख्य सरकारी विभागों के कामकाज का आकलन करने, लागू करने में आने वाली चुनौतियों की पहचान करने और आने वाले वर्षों में सर्विस डिलीवरी को बेहतर बनाने के लिए मापने योग्य लक्ष्य तय करने की उम्मीद है। दिन की पहली बैठक कोऑपरेशन, फूड और कंज्यूमर प्रोटेक्शन डिपार्टमेंट पर केंद्रित थी।

दोषियों को कड़ी सजा मिले

करोड़ों भक्तों का भरोसा बचाना जरूरी

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले आ गया आरएसएस का पहला बयान

दत्तात्रेय होसबाले बोले-अभी जो उलझन और अनिश्चितता है दूर हो

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले को लेकर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने शुक्रवार को पहली बार बयान दिया। सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने कहा- रामलला मंदिर में रखे दानपात्रों में जमा राशि की चोरी दुर्भाग्यपूर्ण है। इससे रामभक्तों की भावनाओं और श्रद्धा को आघात पहुंचा है। उनका भरोसा बचाना जरूरी है।

स्पेशल इन्वेस्टीगेशन टीम जांच में जो भी दोषी पाए जाएंगे, उन्हें कठोर दंड मिलना चाहिए। दत्तात्रेय होसबाले ने कहा कि करोड़ों रामभक्तों के समर्पण, त्याग और बलिदान से भव्य राम मंदिर बना है। ट्रस्ट मंदिर के प्रबंधन और संचालन व्यवस्था में मौजूद सभी कमियों को दूर करने के लिए प्रभावी कदम उठाए। करोड़ों रामभक्तों की आस्था और विश्वास को बनाए रखने के लिए वित्तीय प्रबंधन, संचालन प्रणाली और व्यवस्था पूरी तरह पारदर्शी, त्रुटिरहित और धर्मसम्मत होनी चाहिए।

कटियार बोले-जेल जा सकते हैं चंपत राय-अनिल मिश्रा

अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले को लेकर भाजपा नेता विनय कटियार ने शुक्रवार को कहा कि यह साफ है कि पैसों का गबन हुआ है। ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय, ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्रा और आमंत्रित ट्रस्ट सदस्य गोपाल राव किसी कारण से बच गए, जेल नहीं गए। हो सकता है कि आगे जेल जाएं। उन्होंने अयोध्या में न्यूज एजेंसी से कहा- मामले को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से रात 2 बजे बात हुई। पीएम ने पूछा- अरे भाई, क्या-क्या होगा अब? मैंने उसने कहा- कुछ नहीं, सब ठीक हो जाएगा। इधर, स्पेशल इन्वेस्टीगेशन टीम (एसआईटी) दूसरे दिन जांच के लिए मंदिर पहुंच गई है। सूत्रों के मुताबिक, टीम गोपाल राव से पूछताछ कर रही है।

न्यूक्लियर इंजीनियरिंग पढ़ाएगा आईआईटी बॉम्बे

- 2025 के शांति कानून के तहत लॉन्च किया कोर्स

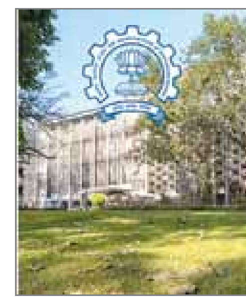

मुंबई (एजेंसी)। नई टेक्नोलॉजी को देखते हुए पढ़ाई से लेकर जॉब की दुनिया में तेजी से बदलाव हो रहे हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस लेकर ग्रीन एनर्जी, स्पेस टेक्नोलॉजी और दूसरे फील्ड में नई तकनीकें भविष्य में अलग-अलग तरह के करियर के रास्ते खोल रही हैं। ऐसे में अब इंजीनियरिंग की पढ़ाई में भी नई चीजें जोड़ी जा रही हैं। जॉब मार्केट और फ्यूचर में बेहतर करियर को ध्यान में रखते हुए नए इंजीनियरिंग प्रोग्राम शुरू किए जा रहे हैं। आईआईटी बॉम्बे ने भी हाल ही में न्यूक्लियर इंजीनियरिंग प्रोग्राम लॉन्च किया है। आईआईटी बॉम्बे से पढ़ाई करना लाखों स्टूडेंट्स का सपना होता है। अब यह इंस्टीट्यूट न्यूक्लियर इंजीनियरिंग प्रोग्राम में पढ़ाई भी शुरू करने जा रहा है। आईआईटी बॉम्बे ने सस्टेनेबिलिटी हार्नेसिंग एंड एडवांसमेंट ऑफ न्यूक्लियर एनर्जी फॉर ट्रांसफॉर्मिंग इंडिया एक्ट के तहत न्यूक्लियर इंजीनियरिंग में नया प्रोग्राम शुरू करने की घोषणा की है। इसका संचालन ग्रीन एनर्जी एंड सस्टेनेबिलिटी हब की ओर से किया जाएगा। ऐसे में आईआईटी बॉम्बे से कोर्स करने के लिए छात्रों के पास जल्द ही इस प्रोग्राम में एडमीशन लेने का विकल्प भी मिलने वाला है।

- **नए प्रोग्राम में थोरियम पर ज्यादा फोकस-** इस न्यूक्लियर इंजीनियरिंग प्रोग्राम का मुख्य फोकस थोरियम बेस्ड न्यूक्लियर सिस्टम से जुड़ी रिसर्च करने पर रहेगा। ऐसा इसीलिए क्योंकि भारत में दुनिया का सबसे बड़ा थोरियम भंडार मौजूद है। इसीलिए इसमें रिसर्च की संभावनाएं भी ज्यादा रहेंगी। इस नए प्रोग्राम के लिए आईआईटी बॉम्बे के कई विभाग मिलकर एक साथ काम करेंगे। इसमें मैकेनिकल इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट, एनर्जी साइंस एंड इंजीनियरिंग, मेटालर्जिकल इंजीनियरिंग और मैटेरियल्स साइंस और इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट शामिल होंगे। इस नए प्रोग्राम को और ज्यादा प्रभावी बनाने के लिए न्यूक्लियर मेजरमेंट लेबोरेटरी भी तैयार की जाएगी। जहां स्टूडेंट्स पढ़ाई और रिसर्च के साथ प्रैक्टिल चीजें भी सीख सकेंगे।

आ गया मानसून, हर ओर छा गया मानसून

- हिमाचल से लेकर एमपी तक झमाझम बारिश
- उज्जैन में क्षिप्रा में बाढ़,किन्नौर में लैंडस्लाइड
- गुजरात में बच्चे पानी में बहे,कई गाड़ियां दबीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश के किन्नौर में गुरुवार रात भारी बारिश हुई। किन्नौर के चोलिंग में बारिश के बाद मलबा नेशनल हाईवे पर आ गया। दो गाड़ियां दब गई। राज्य में 49 सड़कें बंद हैं। इधर, यूपी में शुक्रवार सुबह 3 बजे लखनऊ, बाराबंकी, उन्नाव, जालौन समेत 5 शहरों में बारिश हुई। उन्नाव में पानी घरों में घुस गया। गुजरात के वलसाड में सड़कें पानी में डूब गई, गाड़ियां चलते-चलते बंद हो गईं। जामनगर में दो बच्चे पानी में बह गए, स्थानीय लोगों ने उन्हें बचाया। मध्य प्रदेश में मानसून 9 दिन में ही पूरे प्रदेश में छा गया। धार, बड़वानी, खरगोन और देवास में अगले 24 घंटे में 4 से 8 इंच तक बारिश का अनुमान है। उज्जैन में क्षिप्रा नदी का जलस्तर बढ़ने से राम घाट के पास मंदिर डूब गए। राजस्थान के जयपुर में 2 दिन से रुक-रुककर बारिश हो रही है। मौसम विभाग ने शुक्रवार को भी कोटा, बारां और झालावाड़ के लिए तेज बारिश का अलर्ट जारी किया है। उत्तराखंड में रुद्रप्रयाग, चमोली समेत कई जिलों में लैंडस्लाइड से सड़कें बंद हो गई हैं। बद्रीनाथ और केदारनाथ हाईवे पर लगातार पत्थर गिरे थे। सुरक्षा के चलते केदारनाथ यात्रा रोक दी गई थी।

मानसून 3 दिन देरी से आया, पूरा देश कवर करेगा- मानसून ने 1 जून की जगह 3 दिन लेट 4 जून को भारत में एंट्री ली थी। इस दौरान कई राज्यों में मानसून की रफ्तार धीमी पड़ गई थी। बीच-बीच में ब्रेक मानसून जैसी स्थिति बनने से यह आशंका जताई जाने लगी थी कि इस बार मानसून पूरे देश को सामान्य समय से देर से कवर करेगा। हालांकि, जुलाई की शुरुआत में बंगाल की खाड़ी में बने मौसम तंत्र और अनुकूल परिस्थितियों के कारण मानसून ने फिर रफ्तार पकड़ ली। मौसम विभाग के अनुसार, 5 जुलाई तक मानसून के पूरे देश को कवर करने की संभावना है।

तीसरे शख्स को पता थी केतन अग्रवाल के मर्डर की प्लानिंग

- पुणे हत्याकांड में दावा-सिया-चेतन ने उसे बताया था

पुणे (एजेंसी)। पुणे के केतन अग्रवाल हत्याकांड में नया खुलासा हुआ है। सूत्रों के मुताबिक, पुलिस ने बीड से एक युवक को हिरासत में लिया है। यह युवक बालेवाड़ी की एक कंपनी में काम करता है। दावा है कि तीसरा शख्स सिया या केतन में किसी एक का दोस्त है। दोनों ने उससे केतन के मर्डर की प्लानिंग शेयर की थी। हालांकि युवक का नाम अभी तक सामने नहीं आया है। पुलिस युवक को गवाह भी बना सकती है। वहीं, पुलिस सूत्रों के हवाले से जांच में पता चला है कि मुख्य आरोपी चेतन चौधरी और सिया ने वारदात से पहले टीवी सीरियल 'क्राइम पेट्रोल' के कई एपिसोड देखकर समझने की कोशिश की थी कि हत्या के बाद जांच एजेंसियों को कैसे चकमा दिया जा सकता है।

हर 2 किमी पर ऑक्सीजन बूथ,12 जगह वाटरप्रूफ डोम

संगीनों के साए में अमरनाथ यात्रा शुरू, पहले दिन 9 हजार ने किए दर्शन

जम्मू (एजेंसी) 57 दिन की अमरनाथ यात्रा शुक्रवार से शुरू हो गई। यात्रा का पहला जत्था गांदरबल जिले के बालटाल और अनंतनाग जिले के पहलगाम (नुनवान) बेस कैंप से बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए रवाना हुआ। इस जत्थे में 4,822 श्रद्धालु शामिल हैं। ये सभी श्रद्धालु गुरुवार को बेस कैंप में पहुंचे थे। जम्मू-कश्मीर प्रशासन के मुताबिक, पहले जत्थे के श्रद्धालुओं के साथ जवान और अन्य व्यवस्थाओं में लगे लोग मिलाकर कुल 9 हजार लोगों ने दर्शन किया। यात्रा मार्ग पर हर 2 किमी पर ऑक्सीजन बूथ बने थे।

- **दूसरा जत्था आज सुबह रवाना होगा-** अमरनाथ यात्रा के दूसरे जत्थे के 3,865 श्रद्धालु शुक्रवार देर शाम कश्मीर पहुंचेंगे। इनमें 1,735 श्रद्धालु 115 वाहनों से बालटाल बेस कैंप जा रहे हैं, जबकि 2,130 श्रद्धालु 86 वाहनों से पारंपरिक पहलगाम मार्ग की ओर रवाना हुए। शनिवार सुबह 3,865 श्रद्धालुओं को बालटाल और नुनवान-पहलगाम बेस कैंपों से पवित्र अमरनाथ गुफा के दर्शन के लिए रवाना किया जाएगा।
- **दोनों रूट पर 100-100 बेड के अस्पताल-** दोनों यात्रा मार्गों पर एक हजार डॉक्टर और स्वास्थ्यकर्मी तैनात हैं। दोनों जगह 100-100 बेड के अत्याधुनिक अस्थायी अस्पताल बनाए गए हैं। बालटाल (गांदरबल) : यात्रा करते वक्त तबीयत बिगड़ती है तो सबसे पहले डोमेल गेट के पास ही 'मेडिकल एड सेंटर' है। फिर रेलपथरी पर इमरजेंसी मेडिकल सहायता केंद्र है। बरारी पर मेडिकल कैंप में आक्सीजन मिल जाएगी।

खामेनेई को भारत ने पेश की खिराज-ए-अकीदत

हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई सभी शामिल

ईरान दे रहा अपने सुप्रीम लीडर को आखिरी विदाई

तेहरान (एजेंसी)। ईरान अपने मारे गए सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई को श्रद्धांजलि देने के लिए हफ्ते पर चलने वाला अंतिम संस्कार कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। इसमें लाखों लोगों के शामिल होने की उम्मीद है। अंतिम संस्कार कार्यक्रम कल 4 जुलाई को शुरू होगा, जो 9 जुलाई को पवित्र शहर मशहद में उन्हें दफनाने के साथ पूरा होगा। मशहद खामेनेई का गृह नगर भी है। इसके पहले शुक्रवार को अली खामेनेई और उनके परिवार के कई सदस्यों के शवों को इमाम खुमैनी ग्रैंड मोसाला मस्जिद में लाया गया, जहां लोगों को उन्हें श्रद्धांजलि देते देखा गया।

भारत से पहुंचे धर्मगुरुओं ने दी श्रद्धांजलि- शुक्रवार को भारत से पहुंचे धर्म गुरुओं ने भी ईरान के सुप्रीम लीडर की श्रद्धांजलि दी। भारत में स्थित ईरानी दूतावास ने इसकी तस्वीर सोशल मीडिया पर पोस्ट की है। इसमें भगवाधारी हिंदू, पगड़ीधारी सिख धर्म गुरु श्रद्धांजलि देते नजर आए। धार्मिक नेताओं के अलावा राजनेता और सिविल सोसाइटी के प्रतिनिधिमंडल ने भी खामेनेई को श्रद्धांजलि दी। जम्मू कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती और कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद ने भी खिराज-ए-अकीदत पेश की। उनके साथ ईसाई और हिंदू धर्म गुरु भी नजर आए। तीन दशक से ज्यादा समय तक ईरान के सुप्रीम लीडर रहे अयातुल्ला अली खामेनेई 28 फरवरी को ईरान के खिलाफ अमेरिका-इजरायल के हमले के पहले ही दिन मारे गए थे,जिसके बाद संघर्ष छिड़ गया था।

- **ईरान में कार्यक्रम को लेकर भव्य तैयारी-** इसे भव्य बनाने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ी गई है। ईरानी मीडिया में 10 से ज्यादा दिनों से इसकी जोर शोर से तैयारी चल रही थी। ईरान ने कार्यक्रम की शुरुआत के लिए जिस दिन को चुना है, उसे अमेरिका के लिए संकेत के रूप में देखा जा रहा है। 4 जुलाई को अमेरिका अपना स्वतंत्रता दिवस मनाता है। ईरानी मीडिया रिपोर्ट के अनुसार दिवंगत नेता के अंतिम संस्कार के लिए होने वाले 6 दिनों के कार्यक्रम में 1.5 से 2 करोड़ लोगों के शामिल होने की उम्मीद है। भारी भीड़ की संभावना को देखते हुए अधिकारियों ने हाई अलर्ट जारी किया है।

सोनम रघुवंशी की जमानत पर नहीं लग पाई सुप्रीम रोक

- सुप्रीम कोर्ट बोला-टाइपिंग की गलती को बनाया आधार
- न्यायालय ने कहा-रिहाई न हुई होती तो बेल रद्द कर देते

इंदौर/नई दिल्ली (एजेंसी)। इंदौर के कारोबारी राजा रघुवंशी हत्याकांड की मुख्य आरोपी सोनम रघुवंशी की जमानत बरकरार रहेगी। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को इस पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने कहा- हमें हाईकोर्ट के फैसले पर कुछ आपत्तियां हैं लेकिन सोनम जेल से बाहर आ चुकी है, इसलिए हम उसकी जमानत पर रोक नहीं लगाएंगे। इसके साथ ही कोर्ट ने मेघालय सरकार की उस याचिका पर नोटिस जारी कर दिया है, जिसमें हाईकोर्ट के जमानत आदेश को चुनौती दी गई है। जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस शील नागू की अवकाशकालीन पीठ ने शुक्रवार को मामले की सुनवाई की। इस दौरान मेघालय सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा- यह सुनियोजित हत्या का मामला है। सोनम ने 4 साथियों के साथ मिलकर पति राजा रघुवंशी की हत्या की, फिर शव को खाई में फेंक दिया था।

संक्षिप्त समाचार

वैशाली में करंट लगने से 2 मजदूर झुलसे, हाई टेंशन वायर की चपेट में आने से हालत गंभीर

हाजीपुर। वैशाली के बिदुपुर थाना क्षेत्र के मथुरा गांव में निर्माण कार्य के दौरान दो मजदूर हाई टेंशन बिजली के तार की चपेट में आने से गंभीर रूप से झुलस गए। दोनों को बिदुपुर अस्पताल से सदर अस्पताल हाजीपुर रेफर किया गया है। घायलों की पहचान प्रमोद सिंह (35) और उमा शंकर सिंह (40) के रूप में हुई है। दोनों मथुरा गांव के निवासी हैं। यह घटना लालू सिंह के मकान के तीसरे तल पर निर्माण कार्य के दौरान हुई, जब मजदूर सरिया को रस्सी से खींच रहे थे। इसी दौरान सरिया 11000 केवी के हाई टेंशन तार के संपर्क में आ गया। हादसे के वक्त वहां कुल छह मजदूर काम कर रहे थे। अन्य मजदूरों ने तुरंत घटना देखी, जिसके बाद चीख-पुकार मच गई और मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। आनन-फानन में दोनों घायलों को बिदुपुर अस्पताल ले जाया गया। बिदुपुर पीएचसी में प्राथमिक उपचार के बाद, उनकी नाजुक स्थिति को देखते हुए, दोनों को तुरंत सदर अस्पताल हाजीपुर रेफर कर दिया गया है। स्थानीय लोगों ने इस घटना के लिए बिजली विभाग की लापरवाही को जिम्मेदार ठहराया है। उनका कहना है कि छत से बिजली के तार की दूरी मात्र दो से तीन मीटर है। दोनों मजदूर विवाहित हैं; उमा शंकर की कोई संतान नहीं है, जबकि प्रमोद सिंह के दो बच्चे हैं।

5 दिन की दोस्ती के बाद सीने में मारी गोली, एक ही लड़की से प्यार करते है दोनों, लुक्स को लेकर था कॉम्पिटिशन

हाजीपुर। हाजीपुर में गुरुवार की देर शाम बर्थ-डे पार्टी के बहाने बुलाकर दोस्त ने युवक के सीने में गोली मार दी। गोली लगने के बाद शुभम दर्द से कराहते हुए पैदल चलकर गंगा ब्रिज थाना क्षेत्र के गिदरवा टोला पहुंचा और स्थानीय लोगों को घटना की जानकारी दी। सूचना मिलने पर गंगाब्रिज थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घायल शुभम को सदर अस्पताल ले गई। सीने में गोली लगने के कारण डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसे बेहतर इलाज के लिए पीएमसीएच, पटना रेफर कर दिया।

घटना गंगा ब्रिज थाना और नगर थाना के बॉर्डर पर स्थित डीआरसीसी कार्यालय से करीब 2 किलोमीटर दूर दियारा क्षेत्र में हुई। घायल युवक की पहचान छोटी यूसुफपुर निवासी संतलाल पासवान के बेटे शुभम कुमार(18) के रूप में हुई है। शुरुआती जांच में प्रेम-प्रसंग को विवाद की वजह बताया जा रहा है। घायल शुभम ने पुलिस को बताया कि उसकी दोस्ती करणपुरा निवासी अंशु कुमार से 5-6 दिन पहले ही हुई थी। दोनों एक साथ सोनपुर के बाबा हरिहरनाथ मंदिर में पूजा करने भी गए थे। गुरुवार देर शाम अंशु ने शुभम को जन्मदिन पार्टी के बहाने दियारा इलाके में बुलाया। वहां बातचीत के दौरान अंशु ने हथियार निकालकर शुभम के सीने में गोली मार दी। सदर एसडीपीओ वन सुबोध कुमार ने बताया कि प्रथम दृष्टया यह मामला प्रेम प्रसंग का लग रहा है। पुलिस जांच में सामने आया है कि शुभम और अंशु दोनों एक ही लड़की से प्रेम करते थे। इसी बात को लेकर दोनों के बीच कई दिनों से विवाद चल रहा था। शुभम ने पुलिस को बताया कि वह देखने में हैंडसम था जबकि अंशु नहीं था, इस बात को लेकर भी दोनों में तनातनी थी। घटना की जानकारी मिलते ही सदर एसडीपीओ सुबोध कुमार, गंगा ब्रिज थानाध्यक्ष दीपक कुमार, नगर थानाध्यक्ष सिकंदर कुमार और अपर थानाध्यक्ष मोहन कुमार पुलिस बल के साथ सदर अस्पताल पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया है और आरोपी अंशु की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है।

सुरक्षित रेल परिचालन सुनिश्चित करने के लिए दिए आवश्यक निर्देश

हाजीपुर। सोनपुर मंडल में सुरक्षित, सुचारु एवं विश्वसनीय रेल परिचालन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से मंडल रेल प्रबंधक श्री अमित सरन ने 02 जुलाई 2026 को सोनपुर स्टेशन स्थित टावर वैगन, टावर वैगन शेड और ओएचई (ओवरहेड इक्विपमेंट) डिपो का गहन निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान, मंडल रेल प्रबंधक ने टावर वैगन की तकनीकी स्थिति, अनुरक्षण व्यवस्था, सुरक्षा उपकरणों की उपलब्धता और कार्य निष्पादन प्रणाली का विस्तृत अवलोकन किया। उन्होंने टावर वैगन के नियमित रखरखाव, समयबद्ध निरीक्षण और सुरक्षा मानकों का पूर्णतः पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके बाद, उन्होंने टावर वैगन शेड का निरीक्षण किया। यहां उन्होंने अनुरक्षण सुविधाओं, उपकरणों के रखरखाव, कार्यस्थल की स्वच्छता और सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की। श्री सरन ने संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को कार्यस्थल पर सुरक्षा, गुणवत्ता तथा दक्षता को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। ओएचई डिपो के निरीक्षण के समय, मंडल रेल प्रबंधक ने ओवरहेड विद्युत प्रणाली के अनुरक्षण, आवश्यक स्पेयर सामग्री की उपलब्धता, निरीक्षण अभिलेखों और सुरक्षा मानकों के अनुपालन की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि ओएचई परिसंपत्तियों का नियमित निरीक्षण एवं समयबद्ध अनुरक्षण सुनिश्चित किया जाए, ताकि रेल परिचालन सुरक्षित और निर्बाध बना रहे। निरीक्षण के दौरान, मंडल रेल प्रबंधक ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों के कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि सुरक्षित रेल परिचालन के लिए आधारभूत संरचनाओं का उच्च गुणवत्ता के साथ अनुरक्षण अत्यंत आवश्यक है। श्री सरन ने सभी संबंधित अधिकारियों से निर्धारित मानकों के अनुरूप कार्य करते हुए यात्रियों की सुरक्षा एवं बेहतर रेल सेवाएं सुनिश्चित करने के लिए निरंतर प्रयासरत रहने का आह्वान किया। इस अवसर पर विद्युत विभाग के शाखा अधिकारी एवं कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

सिकंदरपुर मन में डेढ़ महीने से मछलियों की मौत, जांच में पानी में अमोनिया-मेडिकल वेस्ट का खुलासा

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर के ऐतिहासिक सिकंदरपुर मन में पिछले डेढ़ महीने से लगातार मछलियों की मौत हो रही है। ये अब पर्यावरणीय संकट का रूप लेती जा रही है। जिला मत्स्य विभाग की जांच में पानी में अमोनिया की मात्रा अधिक मिली है। इसके साथ ही अस्पतालों से निकलने वाले मेडिकल वेस्ट और धोबी घाट के रासायनिक अपशिष्ट को इसकी बड़ी वजह बताया गया है। विभाग ने रिपोर्ट जिला प्रशासन और नगर निगम को सौंपते हुए तत्काल प्रदूषण रोकने की सिफारिश की है। शहर के बीच स्थित सिकंदरपुर मन में बीते डेढ़ महीने से लगातार बड़ी संख्या में मछलियां मर रही हैं। इससे पूरे इलाके में दुर्गंध फैल गई है, जिसके कारण आसपास रहने वाले लोगों और आने-जाने वालों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वहीं मछली पालन करने वाले व्यवसायियों को भी लाखों रुपये का नुकसान हो चुका है। जिला मत्स्य पदाधिकारी रणधीर कुमार ने बताया कि लगातार मछलियों की मौत की सूचना मिलने के बाद विभाग की टीम ने पानी का नमूना लेकर जांच के लिए पटना की प्रयोगशाला भेजा था। जांच रिपोर्ट में पानी में अमोनिया गैस की मात्रा सामान्य से अधिक पाई गई, जो जलीय जीवों के लिए बेहद खतरनाक है। मत्स्य विभाग की जांच में यह भी सामने आया कि आसपास के अस्पतालों से निकलने वाला मेडिकल वेस्ट और रासायनिक अपशिष्ट बिना उपचार के सीधे मन के पानी में पहुंच रहा है। इसके अलावा परिसर स्थित धोबी घाट से डिटर्जेंट और अन्य रासायनिक पदार्थ भी सीधे जलाशय में बहाए जा रहे हैं। इन कारणों से पानी तेजी से प्रदूषित हो रहा है और मछलियों की मौत का सिलसिला थम नहीं रहा है। जिला मत्स्य पदाधिकारी ने बताया कि प्रदूषण का सबसे अधिक असर कतला मछली पर पड़ा है। यह प्रजाति पानी की ऊपरी सतह पर रहती है, जहां प्रदूषण और ऑक्सीजन की कमी का प्रभाव सबसे पहले दिखाई देता है। विभाग ने यह भी बताया कि पानी की ऊपरी सतह का रंग भी बदल चुका है, जो बढ़ते प्रदूषण का संकेत है। मत्स्य विभाग ने अपनी रिपोर्ट जिला प्रशासन और नगर निगम को भेजते हुए प्रदूषण के स्रोतों पर तत्काल रोक लगाने की मांग की है। विभाग ने अस्पतालों से निकलने वाले मेडिकल वेस्ट का वैज्ञानिक तरीके से निस्तारण करने, केमिकलयुक्त पानी को बिना ट्रीटमेंट जलाशय में छोड़ने पर रोक लगाने और धोबी घाट से निकलने वाले पानी के लिए अलग निकासी व्यवस्था करने की सिफारिश की है। सिकंदरपुर मन में मछली पालन करने वाले व्यवसायियों का कहना है कि पिछले दो महीनों में लाखों रुपये मूल्य की मछलियां मर चुकी हैं। उनका कहना है कि यदि जल्द प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो नुकसान और बढ़ेगा और पूरे जलाशय की मत्स्य संपदा पर गंभीर संकट खड़ा हो जाएगा।

पटना के होटल में सेक्स रैकेट ऑन कॉल बुलाते थे कस्टमर

वॉट्सऐप पर लड़कियों की फोटो भेजकर होती डील, आपत्तिजनक हालत में 10 लड़कियां पकड़ी गईं

एजेंसी, पटना

पटना के गांधी मैदान के पास स्थित होटल डोरमेट्री में सेक्स रैकेट चल रहा था। पुलिस ने देर रात गुप्त सूचना पर यहां रेड की है। छापेमारी के दौरान होटल के कमरे से आपत्तिजनक स्थिति में 5 महिलाओं, 5 लड़कियों और एक युवक को हिरासत में लिया गया है। पुलिस के मुताबिक, जब रेड की गई, तो होटल के कमरे में सभी बैठकर आपत्तिजनक स्थिति में शराब पार्टी और मौज मस्ती कर रहे थे। पुलिस को अचानक कमरे में देखकर सभी घबरा गए। इस दौरान उन लोगों ने भागने की कोशिश की, लेकिन कोई रास्ता नहीं मिलने से सभी पकड़े गए। इसी बीच होटल संचालक मौके का फायदा उठाकर फरार हो गया। जांच में ये भी सामने आया है कि होटल में ऑन कॉल लड़कियां बुलाई जाती थीं। वॉट्सऐप पर ग्राहकों को लड़कियों की फोटो भेजी जाती फिर डील फाइनल होती थी।

होटल के कमरे में की गई छापेमारी: गांधी मैदान थानेदार अखिलेश मिश्रा ने बताया कि पुलिस को पॉश इलाके में स्थित एक होटल में लंबे समय से संदिग्ध गतिविधियों और देह

व्यापार संचालित होने की गुप्त सूचना मिल रही थी। इसके बाद पश्चिमी पुलिस अधीक्षक (SP) संकेत कुमार के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया। देर रात पुलिस टीम ने होटल में छापा मारा। एक्जीबिशन रोड के होटल में छापेमारी की गई थी। वहां से 10 महिला-लड़कियों को हिरासत में लिया गया है। एक युवक भी पकड़ा गया है। कमरे से शराब सहित आपत्तिजनक सामान बरामद किए गए हैं। पुलिस होटल में पकड़े गए सभी लोगों को गांधी मैदान थाने लेकर आई है। सभी से पूछताछ की जा रही है। पुलिस ये पता लगाने का प्रयास कर रही है कि कब से और कैसे इस धंधे में सभी आए थे। यह गतिविधियां कब से संचालित हो रही थीं और इसमें किन-किन लोगों की संलिप्तता है।

ऑन कॉल होटल में आते थे कस्टमर: गांधी मैदान के पास अभिषेक प्लाजा के सेकेंड फ्लोर पर पटना डोरमेट्री नाम से होटल चल रहा था। यह बिल्डिंग G+8 का स्ट्रक्चर है। तीसरे फ्लोर तक कमर्शियल है और उसके उपर रेजिडेंशियल है। यहां आसपास फ्लैट हैं जिसमें लोग रहते हैं। होटल से पकड़े गए युवक का नाम अशोक कुमार यादव है, जो जहानाबाद का रहने वाला है। वह सूर्या विहार होटल में काम करता है। पुलिस की पूछताछ के दौरान यह खुलासा हुआ है कि इस होटल में लड़कियां परमानेंट रहती थीं। ऑन कॉल पर कस्टमर होटल में आते थे। पिछले 1 साल से यह धंधा इस होटल में चल रहा था।

पश्चिम बंगाल, दिल्ली और बिहार की हैं लड़कियां: पश्चिमी SP संकेत कुमार ने बताया, होटल से पश्चिम बंगाल, दिल्ली और बिहार लड़कियां मिली हैं। सभी से पूछताछ की जा रही है। इसके आधार पर आगे की कार्रवाई होगी। सभी लड़कियां बालिग हैं। पुलिस फरार होटल संचालक की तलाश कर रही है और जांच के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

दिल्ली की नाबालिग को पटना में 10 दिन बंधक बनाया

एजेंसी, पटना

पटना के फुलवारीशरीफ में दिल्ली की 14 वर्षीय एक नाबालिग किशोरी को कथित तौर पर 10 दिनों तक कमरे में बंधक बनाकर रखने का मामला सामने आया है। किशोरी को सुरक्षित बरामद कर पुलिस ने उसके परिजनों को सूचना दी है। सूचना मिलने पर गुरुवार शाम नाबालिग के परिजन दिल्ली से पटना के फुलवारीशरीफ थाना पहुंचे। मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

कमरे में बंद रखा, मारपीट और प्रताड़ित किया- नाबालिग: पुलिस के मुताबिक, किशोरी ने बताया कि एक सहेली के बहकावे में आकर उसे एक युवक से प्रेम हो गया था। जब लड़के के परिवार को पता चला, तो लड़के के पिता नाबालिग को काम दिलाने और शादी का झांसा देकर 19 जून को पटना ले आए। आरोप है कि पटना पहुंचने के बाद उसे कई दिनों तक एक कमरे में बंद रखा गया। इस दौरान उसके साथ मारपीट की गई, गलत हरकत करने का प्रयास किया गया और कई बार उसे खाना भी नहीं दिया गया। उधर, बेटी के अचानक लापता होने पर उसके परिजनों ने दिल्ली के संबंधित थाने में गुमशुदगी का मामला दर्ज

- पड़ोस की मदद से भागी, फुलवारीशरीफ थाने पहुंची, काम दिलाने और शादी का दिया था झांसा

कराया था।।

खिड़की से मांगी मदद, डायल 112 ने किया रेस्क्यू: नाबालिग ने बताया कि 19 जून से बुधवार तक उसे कमरे में कैद रखा गया था। उसने किसी तरह कमरे की खिड़की से बाहर झांककर पड़ोस की एक महिला से मदद मांगी। महिला ने उसे सुरक्षित निकलने का रास्ता बताया। किशोरी किसी तरह कमरे से बाहर निकलकर फुलवारीशरीफ-खगौल मार्ग पर पहुंची। वहां पुलिस की डायल 112 गश्ती गाड़ी देखकर उसने मदद मांगी और अपनी आपबीती बताई। इसके बाद पुलिस उसे सुरक्षित फुलवारीशरीफ थाना ले आई।

पटना कोतवाली थाना परिसर में नहीं हुई जुमे की नमाज

एजेंसी, पटना

पटना के कोतवाली थाना परिसर में 30 वर्ष बाद पहली बार शुक्रवार को जुम्मे की नमाज अदायगी नहीं हुई। अब तक हर शुक्रवार को कैंपस में 30 मिनट तक सैकड़ों की संख्या में लोग नमाज अदायगी करते थे। पहली बार इस पर ब्रेक लगा है। जानकारी के मुताबिक, सहयोग पोर्टल पर बुद्धा कॉलोनी के रहने वाले प्रभास चंद्र शर्मा नाम के शख्स ने इसकी शिकायत की थी। उन्होंने बताया था कि शुक्रवार के दिन कैंपस में नमाज पढ़ी जाती है, जिससे प्रशासनिक काम में भी बाधा उत्पन्न हो रहा है। इस शिकायत के आधार पर एडीशनल SP कृष्ण मुरारी प्रसाद ने थाने से रिपोर्ट मांगी थी। 2 जून को थाने में थानेदार अजय कुमार, एडिशन SP कृष्ण मुरारी प्रसाद और मस्जिद कमिट के इमाम और अन्य

दूसरे लोगों के साथ बैठक हुई। बैठक के दो दिन बाद 4 जून को थाने ने रिपोर्ट सबमिट की। इसके आधार पर यह कार्रवाई हुई है।

पटना के कोतवाली जामा मस्जिद के इमाम सनाउल मुस्तफा ने कहा, '30 वर्षों से नमाज पढ़ते आ रहे हैं। थाना प्रभारी ने कहा है कि दाहिने साइड ना कर के बाएं साइड पढ़िए। कोई रुकावट नहीं है।'

उन्होंने आगे कहा, 'अमन और शांति को भंग करने वाले किसी आदमी ने इन लोगों के खिलाफ शिकायत कर दी कि यहां कार्य में बाधा होता है, काम करने में दिक्कत होती है।'

स्वास्थ्य विभाग की कार ने स्कूटी को मारी टक्कर एग्जीबिशन रोड फ्लाईओवर पर हादसा, ड्राइवर फरार

एजेंसी, पटना

पटना के एग्जीबिशन रोड फ्लाईओवर पर गुरुवार देर रात तेज रफ्तार कार ने स्कूटी को टक्कर मार दी। हादसे के बाद कार ड्राइवर छोड़ गाड़ी छोड़कर मौके से फरार हो गया। टक्कर इतनी भीषण थी कि स्कूटी के परखच्चे उड़ गए और वह कई मीटर तक घिसटती चली गई। कार का अगला हिस्सा भी पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। घायल व्यक्ति को सड़क पर गिरने से गंभीर चोटें आईं। इस टक्कर से गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने घायल स्कूटी सवार को अस्पताल पहुंचाया है और फरार कार ड्राइवर की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस इस घटना की जांच कर रही है।

टक्कर से कई मीटर तक घिसटती गई स्कूटी: प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, स्कूटी सवार फ्लाईओवर से गुजर रहा था। तभी तेज रफ्तार से आ रही एक कार ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि स्कूटी के परखच्चे उड़ गए और वह कई मीटर तक सड़क पर घिसटती

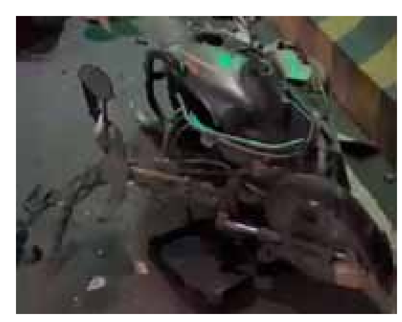

चली गई। हादसे में कार का अगला हिस्सा भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।

स्थानीय लोगों ने पहुंचाया अस्पताल: हादसे के बाद आसपास मौजूद लोगों की भीड़ मौके पर जुट गई और तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही गांधी मैदान ट्रैफिक थाना की पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से घायल को इलाज के लिए PMCH पटना भेजा, जहां उसका उपचार चल रहा है।

- कई मीटर घसीटती गई गाड़ी

कुछ देर प्रभावित रहा यातायात: एक्सीडेंट के कारण फ्लाईओवर पर कुछ समय के लिए यातायात बाधित रहा। ट्रैफिक पुलिस ने फौरन कार्रवाई करते हुए क्षतिग्रस्त कार और स्कूटी को हटवाकर यातायात सामान्य कराया। दोनों वाहनों को जब्त कर गांधी मैदान ट्रैफिक थाना ले जाया गया है।

स्वास्थ्य विभाग का लोगो लगी थी कार: गांधी मैदान ट्रैफिक थाना प्रभारी ने बताया, 'दुर्घटनाग्रस्त कार पर बिहार सरकार के स्वास्थ्य विभाग का लोगो लगा हुआ था। पुलिस फरार कार ड्राइवर की पहचान करने में जुटी है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है, ताकि दुर्घटना के कारणों और फरार ड्राइवर की पहचान की जा सके।' पुलिस ने बताया कि मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है और चालक की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी भी की जाएगी।

पालीगंज में मद्य निषेध टीम पर फायरिंग मामला दो गिरफ्तार, अन्य आरोपियों की तलाश जारी

एजेंसी, पटना

पटना के पालीगंज में मद्य निषेध विभाग की टीम पर फायरिंग के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह घटना 30 जून की देर रात अख्तियारपुर पुल के पास हुई थी। पालीगंज अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी-1 राजीव चंद्र सिंह ने शुक्रवार को इसकी जानकारी दी।

टीम पर की फायरिंग, होमगार्ड जवान बाल-बाल बचा: पालीगंज SDPO-1 राजीव चंद्र सिंह ने बताया, '30 जून की रात मद्य निषेध विभाग की टीम दो युवकों को शराब के नशे में गिरफ्तार कर थाना ला रही थी। इसी दौरान अख्तियारपुर पुल के पास अंधेरे का फायदा उठाकर कुछ लोगों ने टीम के वाहन पर हमला कर दिया और फायरिंग कर दी।' फायरिंग की घटना

में मद्य निषेध विभाग के साथ मौजूद होमगार्ड जवान प्रिंस कुमार मिश्रा बाल-बाल बच गए। बताया जा रहा है कि हमलावर गिरफ्तार किए गए दोनों युवकों को छुड़ाने की कोशिश कर रहे थे।

विशेष टीम ने आधी रात किया गिरफ्तार: घटना की सूचना वरीय पुलिस अधीक्षक और पटना पश्चिम सिटी एसपी को दी गई। इसके बाद मद्य निषेध विभाग की शिकायत पर पालीगंज थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए विशेष पुलिस टीम गठित की गई और तत्काल कार्रवाई शुरू की गई।

अन्य आरोपियों की तलाश जारी: एसडीपीओ राजीव चंद्र सिंह ने बताया, 'गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। घटना में

- शराबियों को छुड़ाने के लिए किया था हमला

शामिल अन्य आरोपियों की पहचान कर उनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है।' पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और घटना में प्रयुक्त हथियार सहित अन्य साक्ष्य जुटाने का प्रयास कर रही है।

क्या है पूरा मामला?: पालीगंज अनुमंडल के मध निषेध विभाग की टीम ने 30जून की रात में छापेमारी कर महाराजगंज मुसहरी से दो युवक को शराब के नशे में पकड़ा था। पुलिस उन्हें पकड़ कर थाना ला रही थी। इसी दौरान उसके साथियों के द्वारा उसे छूड़ाने की कोशिश की गई थी और पुलिस की गाड़ियों पर फायरिंग भी की गई थी, जिसमें एक होमगार्ड का जवान प्रिंस कुमार मिश्रा बाल-बाल बच गया था।

खान की एंटीसिपेटरी बेल पर 7 जुलाई को होगी सुनवाई

एजेंसी, पटना

फैजल खान उर्फ खान सर की एंटिसिपेटरी बेल मामले में आज ADJ 2 के यहां सुनवाई हुई। इस दौरान जज ने कहा कि जिला जज इसकी सुनवाई कर रहे हैं। इसमें इंटरफेयर करना उचित नहीं होगा। इसीलिए इसकी अगली सुनवाई 7 जुलाई को होगी। अब अगली सुनवाई के दौरान खान सर और उनके अन्य सहयोगियों को अग्रिम जमानत मिलने की संभावना है। दोनों गाड्र्स की बेल पर भी कोर्ट सुनवाई करेगा।

इसके पहले 30 जून को लोक अभियोजक की ओर से कहा गया था कि गाड्र्स के पास अवैध हथियार था। दहशत फैलाने के इरादे से फायरिंग की गई थी। बचाव पक्ष के वकील अरविंद मौआर ने कहा था- हथियार लाइसेंसी है। डॉक्युमेंट्स वगैरह पुलिस ने जब्त कर लिया है। इसलिए कोर्ट ने आईओ और

लोक अभियोजक से हथियार के डॉक्यूमेंट्स मांगे थे। 3 जुलाई यानी कि आज आईओ डॉक्यूमेंट्स पेश करेंगे। इसके बाद ही कोर्ट बेल पर फैसला सुना सकता है। बता दें कि पटना पुलिस की जांच में फैजल खान (खान सर) के दोनों बॉडीगाड्र्स के हथियारों के वेरिफिकेशन के दौरान अहम जानकारियां सामने आई थीं। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, जिस हथियार से गोली चलवाई गई थी, वह तालेबर सिंह (34), निवासी कासगंज (उत्तर प्रदेश) का है, लेकिन उसके नाम पर जारी हथियार लाइसेंस का परमिट पूरे भारत के लिए मान्य नहीं पाया गया।

आईजीआईएमएस में 8 माह के शिशु की रोबोटिक सर्जरी सफल

एजेंसी, पटना

बिहार में स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि दर्ज हुई है। पटना स्थित इंदिरा गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान (IGIMS) में पहली बार आठ माह के एक शिशु की सफल रोबोटिक सर्जरी की गई है। जन्मजात किडनी की गंभीर बीमारी से पीड़ित इस शिशु का ऑपरेशन अत्याधुनिक रोबोटिक तकनीक से किया गया। विशेषज्ञों के मुताबिक, शिशुओं के शरीर के अंग अत्यंत छोटे और नाजुक होते हैं। इतनी कम उम्र के बच्चे में रोबोटिक सर्जरी को बेहद जटिल और चुनौतीपूर्ण होती है। इस कारण ऐसी सर्जरी के लिए अत्याधुनिक रोबोटिक तकनीक के साथ एक अनुभवी सर्जिकल टीम की आवश्यकता होती है। डॉक्टरों के मुताबिक, बच्ची जन्मजात किडनी की गंभीर बीमारी यूरेटरो-पेल्विक जंक्शन (यूपीजे) ऑब्स्ट्रक्शन

- बिहार में बना नया रिकॉर्ड, जन्मजात किडनी की गंभीर समस्या का हुआ इलाज

नामक बीमारी से पीड़ित थी। इस स्थिति में किडनी से मूत्र बाहर ले जाने वाले मार्ग में रुकावट आ जाती है। रुकावट के कारण पेशाब किडनी में जमा होने लगता है, जिससे लगातार दबाव बढ़ता है। इससे किडनी की कार्यक्षमता प्रभावित होती है और समय पर इलाज न मिलने पर किडनी स्थायी रूप से खराब होने का खतरा रहता है।

कांग्रेस के सभी जिलाध्यक्षों को मिलेगी 10 दिन की ट्रेनिंग

एजेंसी, पटना

बिहार कांग्रेस की महत्वपूर्ण बैठक आज कांग्रेस मुख्यालय सदाकत आश्रम में हुई। इसकी अध्यक्षता बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राजेश राम ने की। संगठन सृजन साथी अभियान के तहत ये बैठक आयोजित की गई, जिसमें बिहार कांग्रेस प्रभारी कृष्णा अल्लावरु भी मौजूद रहें। यह एक समीक्षा बैठक हुई, जिसमें सभी 53 सांगठनिक जिलों के जिलाध्यक्ष मौजूद रहे। राजेश राम ने जानकारी दी कि आने वाले दिनों में सभी जिला अध्यक्षों को 10 दिन की ट्रेनिंग दी जाएगी।

आगामी 15 दिनों में आंदोलन के स्वरूप पर हुई चर्चा: हम लोगों ने आज अपने सभी जिलाध्यक्षों के मंथली कार्य की समीक्षा की। जिन जिलाध्यक्षों ने अच्छे काम किए हैं उन्हें हमने A ग्रेडिंग दिया है। ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी ने यह पद्धति शुरू की है, जिसकी समीक्षा हर स्तर से हो रही है। ब्लॉक से पंचायत और फिर जिला से प्रदेश तक समीक्षा होगी। यहां से रिपोर्ट आलाकमान को जाएगी। सभी 53 जिलाध्यक्षों को 10 दिन की ट्रेनिंग दी जाएगी।

यह ट्रेनिंग AICC की टीम देगी, जो वर्धा से आएगी। 22 से 31 जुलाई तक ट्रेनिंग होगी। आज मंथली समीक्षा, ग्रेडिंग पर चर्चा और आगे आने वाले 15 दिनों में आंदोलन का क्या स्वरूप होगा उसे पर भी चर्चा हुई।

प्रशांत किशोर का चुनाव लड़ना कोई मुद्दा नहीं: राहुल गांधी के पटना दौरे को लेकर तिथि निर्धारित की जाएगी, क्योंकि उनके देशभर में कई सारे कार्यक्रम

- बैठक में राजेश राम ने बांकीपुर चुनाव को लेकर कहा- शीर्ष नेतृत्व करेगी तय

चल रहे हैं। वहीं, बांकीपुर चुनाव को लेकर भी चर्चा चल रही है। बैठक में सभी जिलाध्यक्षों से राय ली जाएगी। हम लोग नेशनल पार्टी है और हमारी इंटरनल डेमोक्रेसी है। जनसुराज से प्रशांत किशोर के चुनाव लड़ने की बात को लेकर राजेश राम ने कहा कि वह कोई मुद्दा नहीं है। हर पार्टी अपनी-अपनी प्रत्याशी उतारती है। शीर्ष नेतृत्व जो चाहेगी उसी हिसाब से हम लोग काम करेंगे।

संक्षिप्त समाचार

वाटर पार्क निर्माण में बाधा डालने पर 27 नामजद समेत 57 लोगों पर केस, सरकारी जमीन पर काम जारी

बीएनएम@ मोतिहारी। पिपराकोठी प्रखंड स्थित कृषि विज्ञान केंद्र के समीप पर्यटन विभाग, बिहार सरकार की वाटर पार्क परियोजना के निर्माण कार्य में बाधा डालने के मामले में जिला प्रशासन ने 27 नामजद और 30 अज्ञात लोगों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराई है। प्रशासन का कहना है कि संबंधित भूमि सरकारी है और उस पर निर्माण कार्य पूरी तरह वैध रूप से किया जा रहा है। जिला प्रशासन द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, शुक्रवार को कुछ स्थानीय असामाजिक तत्वों ने निर्माणाधीन स्थल पर पहुंचकर सरकारी भूमि को अपनी रैयती भूमि बताते हुए निर्माण कार्य रोकने का प्रयास किया। इस दौरान कुछ समय के लिए विधि-व्यवस्था की स्थिति उत्पन्न हो गई। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि जिस भूमि पर वाटर पार्क का निर्माण किया जा रहा है, वह सरकारी भूमि है। इस भूमि पर पूर्व में कायम अवैध जमाबंदी को बिहार भूमि दाखिल-खारिज अधिनियम, 2011 की धारा-9 के तहत जमाबंदी रद्दीकरण वाद संख्या 242/25-26 में अपर समाहर्ता द्वारा पहले ही रद्द किया जा चुका है। सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन और पुलिस मौके पर पहुंची तथा स्थिति को नियंत्रण में ले लिया। इस मामले में पिपराकोठी थाना में 27 नामजद एवं 30 अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर विधिसम्मत कार्रवाई शुरू कर दी गई है। जिला प्रशासन ने बताया कि वर्तमान में निर्माण स्थल पर स्थिति पूरी तरह सामान्य है। शांति एवं विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए वहां तीन पालियों में दंडाधिकारियों और पुलिस पदाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की गई है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि सरकारी योजनाओं के कार्य में बाधा पहुंचाने वालों के विरुद्ध नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

केंद्रीय विश्वविद्यालय के लिए 39 एकड़ अतिरिक्त भूमि अधिग्रहण में तेजी लाने के निर्देश

बीएनएम@ मोतिहारी। जिलाधिकारी सह जिला दंडाधिकारी सौरभ सुमन यादव ने शुक्रवार को केंद्रीय विश्वविद्यालय, मोतिहारी के लिए भू-अर्जन कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। इस बैठक में विश्वविद्यालय के प्रतिनिधि ने बताया कि विश्वविद्यालय को अब तक 261 एकड़ भूमि का कब्जा मिल चुका है, जबकि शैक्षणिक एवं आधारभूत संरचना संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए 39 एकड़ अतिरिक्त भूमि की जरूरत है। समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने जिला भू-अर्जन पदाधिकारी को अतिरिक्त भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया में तेजी लाने तथा आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में अपर समाहर्ता मुकेश कुमार सिंहा, उप विकास आयुक्त डॉ. प्रदीप कुमार, नगर आयुक्त आशीष कुमार, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी अरुण कुमार, सदर अनुमंडल पदाधिकारी निशांत सिहारा, विश्वविद्यालय के प्रतिनिधि एवं अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित रहे।

बेतिया में एसपी का औचक निरीक्षण, ट्रैफिक व्यवस्था सुधारने और नियम तोड़ने वालों पर सख्ती के निर्देश

बीएनएम@ बेतिया। पश्चिम चंपारण के पुलिस अधीक्षक ने शुक्रवार को शहर के विभिन्न प्रमुख चौक-चौराहों का औचक निरीक्षण कर यातायात व्यवस्था और विधि-व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान ड्यूटी पर तैनात यातायात पुलिस पदाधिकारियों और कर्मियों की उपस्थिति, यातायात संचालन, आमजन की सुविधा तथा सड़क सुरक्षा व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई। निरीक्षण के दौरान एसपी ने सभी पुलिस पदाधिकारियों और कर्मियों को समय पर ड्यूटी पर उपस्थित रहने तथा पूरी सतर्कता और जिम्मेदारी के साथ यातायात संचालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध विधिसम्मत कार्रवाई करने और आम नागरिकों के साथ विनम्र एवं सौहार्दपूर्ण व्यवहार बनाए रखने पर भी जोर दिया। एसपी ने स्थानीय लोगों और दुकानदारों से भी ट्रैफिक एवं कानून-व्यवस्था को लेकर बातचीत कर उनकी समस्याओं और सुझावों की जानकारी ली। उन्होंने विशेष रूप से व्यस्त चौक-चौराहों पर जाम की समस्या रोकने के लिए प्रभावी यातायात प्रबंधन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने सड़क सुरक्षा के प्रति लोगों को जागरूक करने, हेलमेट और सीट बेल्ट के अनिवार्य उपयोग को बढ़ावा देने तथा नो-पार्किंग सहित अन्य यातायात नियमों का कड़ाई से पालन कराने के निर्देश भी दिए। पश्चिम चंपारण पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे यातायात नियमों का पालन करें, हेलमेट और सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से उपयोग करें, निर्धारित गति सीमा का पालन करें तथा सड़क पर अनुशासन बनाए रखते हुए पुलिस प्रशासन का सहयोग करें।

सीकरीया फार्मेसी कॉलेज के छात्र शैक्षणिक भ्रमण पर रवाना

बीएनएम@ मोतिहारी

शहर के सीकरीया फार्मेसी कॉलेज के छात्र-छात्राओं का शुक्रवार को एक दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण दल रवाना हुआ। कॉलेज परिसर से उप-महापौर लालबाबू प्रसाद, भाजपा नेता एवं उद्योगपति यमुना सीकरीया तथा प्राचार्या प्रीति दुबे ने बस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर यमुना सीकरीया ने बताया कि भ्रमण के दौरान छात्र पिपराकोठी स्थित कृषि विज्ञान केंद्र, पंडित दीनदयाल उपाध्याय कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर एंड फॉरेस्ट्री सहित अन्य शैक्षणिक एवं महत्वपूर्ण स्थलों का अवलोकन करेंगे। उन्होंने कहा कि शैक्षणिक भ्रमण से छात्रों को व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त होता है और उनके अनुभव में वृद्धि होती है। वहीं यमुना सीकरीया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश के साथ-साथ चंपारण का भी तेजी से विकास हुआ है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जब भी चंपारण आते हैं, विकास की नई सौगात देकर जाते हैं। पर्यटन और रोजगार के क्षेत्र में भी जिले को नए अवसर मिल रहे हैं। उप-महापौर लालबाबू प्रसाद ने कहा कि भारत सरकार और सांसद राधा मोहन सिंह के प्रयासों से चंपारण विकास के क्षेत्र में नई पहचान बना रहा है। उन्होंने कहा कि पिपराकोठी स्थित कृषि महाविद्यालय में देश के विभिन्न राज्यों से छात्र शिक्षा ग्रहण करने आते हैं, जो जिले के लिए गर्व की बात है। उन्होंने शैक्षणिक भ्रमण के आयोजन के लिए सीकरीया फार्मेसी कॉलेज के छात्र-छात्राओं और शिक्षकों की सराहना की।

प्रेमी युगल का सिर मुंडवाकर जूते-चप्पलों की माला पहनाने वाले सात आरोपी गिरफ्तार

बीएनएम@ मोतिहारी

पूर्वी चंपारण पुलिस ने बंजरिया थाना क्षेत्र में एक प्रेमी युगल के साथ मारपीट, सिर मुंडवाकर जूते-चप्पलों की माला पहनाने तथा उसका फोटो और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल करने के मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक कार्यालय से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इस मामले में बंजरिया थाना कांड संख्या 387/2026 दर्ज किया गया था। प्राथमिकी दर्ज होने के बाद पुलिस ने छापेमारी कर सभी नामजद आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान गुल मोहम्मद, इमतेयाज मियां, सदरे आलम उर्फ बोद्या मियां, जाहांगीर उर्फ अब्दुल वारी, सरफे आलम उर्फ सरफराज आलम, मेराज आलम तथा शेख अब्दुलाह उर्फ अब्दुलाह के रूप में हुई है। सभी आरोपी कचहरिया टोला, थाना बंजरिया, जिला पूर्वी चंपारण के निवासी हैं। पुलिस के अनुसार, आरोप है कि इन लोगों ने प्रेमी युगल के साथ मारपीट की, दोनों का सिर मुंडवाया, जूते-चप्पलों की माला पहनाकर सार्वजनिक रूप से अपमानित किया और घटना का फोटो एवं वीडियो सोशल मीडिया पर अपलोड कर दिया। पुलिस ने सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक प्रक्रिया शुरू कर दी है तथा मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है। इस कार्रवाई का नेतृत्व बंजरिया थानाध्यक्ष अमित कुमार सिंह ने किया। छापेमारी दल में अपर थानाध्यक्ष रूपा कुमारी, पुलिस पदाधिकारी प्रदीप कुमार तथा बंजरिया थाना के सशस्त्र बल शामिल रहे।

जनता के दरबार में पहुंचे 98 आवेदन, डीएम ने अधिकारियों को त्वरित निष्पादन का दिया निर्देश

बीएनएम@ मोतिहारी

शहर के समाहरणालय स्थित डॉ. राधाकृष्णन भवन सभागार में शुक्रवार को आयोजित 'जनता के दरबार में जिला प्रशासन' कार्यक्रम में जिले के विभिन्न अंचलों से आए 98 आवेदकों की समस्याओं की सुनवाई जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव की अध्यक्षता में की गई।सुनवाई के दौरान जिलाधिकारी ने कई मामलों में संबंधित अधिकारियों से जनता दरबार से ही फोन पर बात कर शिकायतों के शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण निष्पादन का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि प्राप्त सभी आवेदनों पर संबंधित विभागों द्वारा विधिसम्मत कार्रवाई सुनिश्चित करते हुए जल्द से जल्द समस्याओं का समाधान किया जाएगा। जनता दरबार में मुख्य रूप से भूमि विवाद, अतिक्रमण तथा राजस्व विभाग से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए। जिलाधिकारी ने इन मामलों के त्वरित निष्पादन के लिए प्रभारी पदाधिकारी, जिला जन शिकायत कोषांग को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए संबंधित अधिकारियों को आवेदन भेजने का निर्देश दिया। कार्यक्रम में अपर समाहर्ता मुकेश कुमार सिंहा, उप विकास आयुक्त डॉ. प्रदीप कुमार, सहायक समाहर्ता राज कृष्ण झा, वरीय उप समाहर्ता विकास कुमार सहित अन्य जिला स्तरीय पदाधिकारी उपस्थित रहे।

14 अगस्त तक चलेगा टीबी उन्मूलन अभियान, 10 लाख लोगों की होगी स्क्रीनिंग : डीएम

बीएनएम@ मोतिहारी

जिले में टीबी उन्मूलन अभियान को सफल बनाने के उद्देश्य से गुरुवार को समाहरणालय स्थित कार्यालय प्रकोष्ठ में जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव की अध्यक्षता में समन्वय बैठक आयोजित की गई। बैठक में अभियान की प्रगति की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने बताया कि 14 अगस्त तक चलने वाले विशेष टीबी उन्मूलन अभियान के तहत जिले में 10 लाख लोगों की स्क्रीनिंग का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने सभी प्रखंडों में समन्वय बैठक आयोजित कर शत-प्रतिशत लक्ष्य हासिल करने का निर्देश दिया। डीएम ने डीपीएम जीविका को अभियान में जीविका दीदियों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने तथा जिला पंचायती राज पदाधिकारी को पंचायत प्रतिनिधियों का सहयोग लेने का निर्देश दिया। वहीं सिविल सर्जन को स्लम क्षेत्रों और महादलित बस्तियों में विशेष शिविर लगाकर अधिक से अधिक लोगों की स्क्रीनिंग कराने को कहा। बैठक में टीबी मरीजों की सहायता के लिए अधिकाधिक निक्षय मित्र बनाने पर भी जोर दिया गया। जिलाधिकारी ने जनसहभागिता बढ़ाने की अपील करते हुए कहा कि इससे टीबी मरीजों को पोषण सहायता उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। अभियान की नियमित निगरानी की जिम्मेदारी उप विकास आयुक्त (डीडीसी) को सौंपी गई है। जिलाधिकारी ने सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ अभियान को सफल बनाने और निर्धारित लक्ष्य समय पर पूरा करने का निर्देश दिया।

नेपाल घुमाने का झांसा देकर ट्रेन में की पत्नी की हत्या, पति व तांत्रिक समेत दूसरी पत्नी गिरफ्तार

बीएनएम@ मोतिहारी

पूर्वी चंपारण पुलिस ने पलनवा थाना क्षेत्र में 17 जून को हुई अज्ञात महिला की हत्या का सफल खुलासा करते हुए दो पुरुष एवं एक महिला को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में मृतका का पति, एक कथित तांत्रिक तथा एक महिला शामिल हैं। पुलिस अधीक्षक कार्यालय से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, पलनवा थाना कांड संख्या 132/2026 में दर्ज मामले की जांच के लिए वरीय अधिकारियों के निर्देश पर एसआईटी का गठन किया गया। तकनीकी और भौतिक साक्ष्यों के आधार पर जांच में सामने आया कि मृतका के पति तपेश्वर सहनी ने नेपाल में लक्ष्मी देवी से दूसरी शादी कर ली थी, जिससे पति-पत्नी के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा था। इसी दौरान दोनों की मुलाकात एक कथित तांत्रिक सिकंदर सहनी उर्फ भगत जी से हुई। पुलिस के अनुसार, तांत्रिक ने मृतका से उसके पति को दूसरी पत्नी से अलग कराने के लिए 50 हजार रुपये तथा पति से मृतका से छुटकारा दिलाने के लिए भी 50 हजार रुपये की मांग की। दोनों पक्ष काम पूरा होने के बाद पैसे देने पर राजी हो गए। जांच में खुलासा हुआ कि तांत्रिक की योजना के तहत मृतका को नेपाल घुमाने और वहां संपत्ति का मालिक बनाने का झांसा दिया गया। इसके बाद पति तपेश्वर सहनी, दूसरी पत्नी लक्ष्मी देवी और तांत्रिक ने मृतका को लोकल ट्रेन से मोतिहारी से रक्सौल ले जाते समय मसना डीह हॉल्ट के पास उसकी हत्या कर दी। मामले में पुलिस ने तपेश्वर सहनी (निवासी झिटकहिया, थाना लखौरा), सिकंदर सहनी उर्फ भगत जी (निवासी भवानीपुर, थाना सुगौली) तथा एक महिला आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने बताया कि मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है। इस कार्रवाई में रक्सौल के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी मनीश आनंद के नेतृत्व में पर्यवेक्षी पदाधिकारी अनुज कुमार पांडेय, पलनवा थानाध्यक्ष अनिल कुमार गुप्ता, पुलिस पदाधिकारी भीम सिंह, डीआईयू टीम तथा पलनवा थाना के पुलिसकर्मियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

पताही के तीन पंचायतों में 7 जुलाई को लगेगा सहयोग शिविर, स्वास्थ्य विभाग ने पूरी की तैयारी

बीएनएम@ पताही

प्रखंड क्षेत्र के जिहुली, पदुमकेर और नोनफरवा पंचायतों में आगामी 7 जुलाई को सहयोग शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर को लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी), पताही ने तैयारियां पूरी कर ली हैं। सीएचसी के चिकित्सा प्रभारी डॉ. शंकर बैठा ने बताया कि सहयोग शिविर के सफल आयोजन के लिए स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह तैयार है। शिविर के माध्यम से संबंधित पंचायतों के लोगों को विभिन्न स्वास्थ्य सेवाओं के साथ-साथ सरकार की जनकल्याणकारी स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि शिविर में तैनात होने वाले स्वास्थ्यकर्मियों की ड्यूटी निर्धारित कर दी गई है। साथ ही आवश्यक दवाइयों, चिकित्सा उपकरणों और अन्य संसाधनों की भी पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए पंचायत स्तर पर व्यापक प्रचार-प्रसार भी किया जा रहा है। चिकित्सा प्रभारी ने क्षेत्रवासियों से अपील की कि वे 7 जुलाई को अपने निकटतम सहयोग शिविर में पहुंचकर उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाएं और सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं की जानकारी प्राप्त कर उनका लाभ लें।

एसएसबी ने उर्वरक तस्करी का प्रयास किया नाकाम, 20 बोरी खाद व दो बाइक जब्त; एक तस्कर गिरफ्तार, दूसरा नेपाल फरार

बीएनएम@ मोतिहारी

भारत-नेपाल सीमा पर तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत 71वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 20 बोरी उर्वरक एवं दो मोटरसाइकिल जब्त की हैं। कार्रवाई के दौरान एक तस्कर को गिरफ्तार किया गया, जबकि उसका साथी अंतरराष्ट्रीय सीमा का लाभ उठाकर नेपाल की ओर फरार हो गया। जानकारी के अनुसार, गुरुवार की सुबह करीब 4:30 बजे 71वीं वाहिनी एसएसबी की आसूचना शाखा को सूचना मिली कि बरेला गांव के रास्ते भारत से नेपाल उर्वरक की अवैध तस्करी की जा रही है। सूचना के आधार पर एसएसबी ने विशेष नाकाबंदी की। करीब 6:20 बजे दो व्यक्ति मोटरसाइकिल पर उर्वरक लादकर नेपाल की ओर जाते दिखाई दिए। नाका दल को देखते ही दोनों तस्कर मोटरसाइकिल और सामान छोड़कर भागने लगे। जवानों ने पीछा कर एक तस्कर को दबोच लिया, जबकि दूसरा नेपाल की ओर फरार होने में सफल रहा। गिरफ्तार तस्कर ने पूछताछ में अपनी पहचान दशरथ यादव (32 वर्ष), पिता गणेश राय, निवासी ग्राम बरैला, पोस्ट छौड़ादानो, थाना जितना, जिला पूर्वी चम्पारण (बिहार) के रूप में बताई।तलाशी अभियान के दौरान आसपास के विभिन्न स्थानों से कुल 20 बोरी उर्वरक बरामद किए गए। इनमें 7 बोरी यूरिया (45 किलोग्राम प्रति बोरी), 3 बोरी ग्रो प्लस जिंक (50 किलोग्राम प्रति बोरी) तथा 10 बोरी डीएपी (50 किलोग्राम प्रति बोरी) शामिल हैं। इसके अलावा तस्करी में प्रयुक्त दो मोटरसाइकिल भी जब्त की गईं। एसएसबी ने जब्त उर्वरक एवं मोटरसाइकिल की विधिवत जब्ती सूची तैयार कर आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए सीमा शुल्क कार्यालय, मोतिहारी को सुपुर्द कर दिया है।

एलएनडी कॉलेज में 'रेड रन-2026' मैराथन का सफल आयोजन, 60 से अधिक छात्र-छात्राओं ने दिखाई दमखम

बीएनएम@ मोतिहारी

शहर के एलएनडी कॉलेज की एनएसएस इकाई के तत्वावधान में शुक्रवार को खेल मैदान में 'रेड रन-2026' के तहत महाविद्यालय स्तरीय मैराथन प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। उक्त प्रतियोगिता में 60 से अधिक छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर फिटनेस और खेल भावना का परिचय दिया। कार्यक्रम का आयोजन एनएसएस कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ. रवि रंजन सिंह के नेतृत्व में किया गया। उन्होंने बताया कि 'रेड रन-2026' का उद्देश्य विद्यार्थियों के दैनिक जीवन में शारीरिक गतिविधियों और खेलकूद को बढ़ावा देना तथा स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक करना है। इस अवसर पर महाविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ. प्रभाकर कुमार ने कहा कि दौड़ को केवल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि जीवनशैली का हिस्सा बनाना चाहिए। वहीं, भूगोल विभागाध्यक्ष प्रो. राकेश रंजन कुमार एवं गणित विभागाध्यक्ष डॉ. दीपक कुमार ने भी छात्रों का उत्साहवर्धन करते हुए भविष्य में ऐसे आयोजनों में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की। प्रतियोगिता के परिणामों में बालक वर्ग में अमरजीत कुमार प्रथम, शैलेंद्र कुमार द्वितीय, शेख साजिद तृतीय, विशाल कुमार चतुर्थ, अंकित कुमार पंचम तथा नेसर आलम षष्ठम स्थान पर रहे। वहीं बालिका वर्ग में अमृता कुमारी ने प्रथम, राजनंदिनी कुमारी ने द्वितीय, ऋषि कुमारी ने तृतीय, प्रीति कुमारी ने चतुर्थ तथा सलोनी कुमारी ने पंचम स्थान प्राप्त किया।मैराथन के सफल आयोजन में एनएसएस स्वयंसेवक अभिषेक, रजनी, आदित्य, ऋतुराज, उज्ज्वल, प्रतीक्षा सहित अनेक विद्यार्थियों ने सक्रिय भूमिका निभाई। आयोजन के अंत में प्रतिभागियों के उत्साह और अनुशासन की सराहना की गई।

संक्षिप्त समाचार

हरसिद्धि में चोरी की बाइक के साथ युवक गिरफ्तार, पुलिस कर रही पूछताछ

बीएनएम@ हरसिद्धि। हरसिद्धि थाना क्षेत्र में चलाए गए विशेष वाहन जांच अभियान के दौरान पुलिस ने चोरी की मोटरसाइकिल के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान बीरबल प्रसाद, पिता स्व. रामावतार प्रसाद, निवासी यादोपुर, थाना हरसिद्धि के रूप में हुई है। थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि विशेष वाहन जांच अभियान के दौरान संदिग्ध मोटरसाइकिल की जांच की गई। सत्यापन में बाइक चोरी की पाई गई, जिसके बाद चालक बीरबल प्रसाद को मौके से गिरफ्तार कर लिया गया। उन्होंने कहा कि मामले में आवश्यक पूछताछ की जा रही है तथा अग्रिम कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

गंडक पार स्थित मधुबनी में अवैध रूप से संचालित हो रहे नर्सिंग होम और क्लीनिक

बीएनएम@ बगहाः बगहा अनुमंडल अंतर्गत मधुबनी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) क्षेत्र में विभिन्न चौक-चौराहों पर कथित रूप से बिना आवश्यक अनुमति के निजी अस्पताल, अल्ट्रासाउंड सेंटर और हड्डी जोड़ने के क्लीनिक संचालित किए जाने का मामला चर्चा का विषय बना हुआ है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि इन संस्थानों पर संबंधित स्वास्थ्य विभाग की ओर से प्रभावी कार्रवाई नहीं की जा रही है।ग्रामीणों का कहना है कि मधुबनी पीएचसी पोषक क्षेत्र के बांसी, तमकुहवा, दौनाहा,मरीचहवा सहित कई स्थानों पर नियमों की अनदेखी कर निजी स्वास्थ्य केंद्र संचालित किए जा रहे हैं। आरोप है कि इनमें से कुछ संस्थानों के पास आवश्यक पंजीकरण एवं मानकों का पालन नहीं किया जा रहा है। इसके बावजूद संबंधित अधिकारियों द्वारा जांच या कार्रवाई नहीं किए जाने से लोगों में नाराजगी है।स्थानीय लोगों का कहना है कि बिना मानक के संचालित हो रहे ऐसे केंद्रों पर मरीजों के इलाज से उनकी जान जोखिम में पड़ सकती है। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग से पूरे क्षेत्र में अभियान चलाकर ऐसे संस्थानों की जांच करने तथा नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित संचालकों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है।इस संबंध में मधुबनी पीएचसी प्रभारी आनंद कुमार ने बताया कि समय - समय पर अवैध रूप से संचालित क्लिनिक के विरुद्ध कार्रवाई की जाती है। अवैध रूप से संचालित अस्पताल , अल्ट्रासाउंड सेंटर एवं हड्डी जोड़ क्लिनिक के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।

ई-रिक्शा पलटने से तीन बच्चों समेत पांच घायल

बीएनएम@ सीतामढ़ीः- सीतामढ़ी जिला के सुरसंड प्रखंड क्षेत्र की राधाउर पंचायत स्थित राधाउर मोड़ जाने वाली सड़क पर ई-रिक्शा पलट जाने से तीन बच्चों समेत पांच लोग घायल हो गए। घायलों में एक महिला और एक पुरुष भी शामिल हैं। लोगों के अनुसार राधाउर से राधाउर मोड़ तक जाने वाली सड़क की स्थिति वर्षों से बेहद जर्जर बनी हुई है। हल्की बारिश होते ही सड़क पर डेढ़ से दो फीट तक पानी जमा हो जाता है, जिससे गड्ढे दिखाई नहीं देते और दुर्घटनाएं होती रहती हैं। इसी कारण गुरुवार को पांच यात्रियों को लेकर जा रहा ई-रिक्शा अनियंत्रित होकर पलट गया। घटना के बाद ग्रामीणों ने घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) सुरसंड पहुंचाया।

जिले में 34,971 घरेलू और 2,255 वाणिज्यिक सिलेंडर उपलब्ध

बीएनएम@ बेतियाः जिले में घरेलू एवं वाणिज्यिक गैस सिलेंडरों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित है और उपभोक्ताओं को निर्बाध आपूर्ति प्रदान की जा रही है। अपर समाहर्ता-सह-जिला आपूर्ति पदाधिकारी अनिल कुमार सिन्हा ने बताया कि वर्तमान में जिले में 14.2 किलोग्राम के 34971 घरेलू गैस सिलेंडर तथा 19 किलोग्राम के 2255 वाणिज्यिक गैस सिलेंडर उपलब्ध हैं।सिन्हा ने बताया कि गैस आपूर्ति एवं वितरण से संबंधित एक भी शिकायत प्राप्त नहीं हुआ है। जिला प्रशासन ने आम नागरिकों से अपील की है कि गैस बुकिंग, डिलीवरी अथवा आपूर्ति से संबंधित किसी भी प्रकार की देरी, अनियमितता या अन्य शिकायत होने पर जिला नियंत्रण कक्ष के दूरभाष संख्या 06254-247002 एवं 06254-247003 पर संपर्क कर अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

राजस्व विभाग में दो अफसरों पर विभागीय कार्रवाई

बीएनएम@ पटना। बिहार सरकार ने राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग में भ्रष्टाचार और लापरवाही के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है। राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री डॉ. दिलीप कुमार जायसवाल ने शुक्रवार को दो और अधिकारियों के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई को मंजूरी दी। इसके साथ ही पिछले एक माह में विभाग में भ्रष्टाचार, रिश्वतखोरी, प्रशासनिक अनियमितता और कर्तव्यहीनता के मामलों में कार्रवाई झेलने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों की संख्या बढ़कर 62 हो गई है।मंत्री ने कहा कि सरकार की स्पष्ट नीति है कि जनता से जुड़े मामलों में भ्रष्टाचार, पद के दुरुपयोग और लापरवाही किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि पारदर्शिता, जवाबदेही और समयबद्ध सेवा सुनिश्चित करने के लिए विभाग में 'जीरो टॉलरेंस' की नीति के तहत कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

अज्ञात युवक का शव मिला

बीएनएम@ (सीतामढ़ी)। सीतामढ़ी जिला के बथनाहा थाना क्षेत्र के धुरबासा कॉलेज के समीप गुरुवार देर रात एक अज्ञात युवक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। शव कॉलेज से करीब 50 मीटर की दूरी पर पड़ा मिला। जानकारी मिलने पर बथनाहा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस के

अनुसार, मृतक की पहचान अब तक नहीं हो सकी है। युवक की मौत किन परिस्थितियों में हुई, इसका खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट और फॉरेंसिक जांच के बाद ही हो सकेगा। बथनाहा थानाध्यक्ष ने बताया कि मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है।

कृषि मोटरों के बढ़ते उपयोग से ट्रांसफार्मर पर बढ़ा भार, लो वोल्टेज से 500 परिवार परेशान

बीएनएम@ पताही

प्रखंड क्षेत्र की जिहुली पंचायत के जमुनी टोला में इन दिनों गंभीर बिजली संकट बना हुआ है। घरेलू ट्रांसफार्मर पर 25 से 30 कृषि मोटरों के अनियंत्रित उपयोग से ट्रांसफार्मर पर अत्यधिक भार पड़ रहा है, जिसके कारण करीब 500 परिवार लगातार लो वोल्टेज की समस्या से जूझ रहे हैं। भीषण गर्मी में इस समस्या ने लोगों का जनजीवन प्रभावित कर दिया है। ग्रामीणों के अनुसार, गांव में लगे एक घरेलू ट्रांसफार्मर से पूरे टोले को बिजली आपूर्ति की जाती है। इसी ट्रांसफार्मर से बड़ी संख्या में कृषि मोटर भी संचालित किए जा रहे हैं। दिन-रात मोटर चलने के कारण ट्रांसफार्मर पर अतिरिक्त लोड पड़ रहा है, जिससे घरेलू उपभोक्ताओं को पर्याप्त वोल्टेज नहीं मिल पा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि शाम के समय स्थिति और भी गंभीर हो जाती है। कई बार वोल्टेज इतना कम हो जाता है कि घरों में बल्ब तक ठीक से नहीं जल पाते। पंखे, कूलर, फ्रिज और अन्य विद्युत उपकरण प्रभावी ढंग से काम नहीं कर रहे हैं, जिससे लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। लोगों ने आशंका जताई है कि यदि जल्द ही इस समस्या का समाधान नहीं किया गया तो ट्रांसफार्मर ओवरलोड होकर खराब हो सकता है, जिससे पूरे इलाके की बिजली आपूर्ति ठप होने का खतरा है। यह क्षेत्र देवापुर फीडर के अंतर्गत आता है। ग्रामीणों ने बिजली विभाग से कृषि कार्यों के लिए अलग बिजली व्यवस्था करने अथवा अधिक क्षमता का नया ट्रांसफार्मर लगाने की मांग की है, ताकि घरेलू उपभोक्ताओं को निर्बाध और पर्याप्त वोल्टेज मिल सके। स्थानीय लोगों ने चेतावनी दी है कि समस्या का शीघ्र समाधान नहीं होने पर वे आंदोलन करने को मजबूर होंगे। इस संबंध में पताही विद्युत विभाग के कनीय अभियंता नरेंद्र कुमार ने बताया कि ऐसे कृषि उपभोक्ताओं की पहचान की जा रही है जो रात के समय भी मोटर चलाकर सिंचाई कर रहे हैं, जिससे ट्रांसफार्मर पर अनावश्यक भार बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि जांच के बाद नियमों के अनुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

अभाविप ने कॉलेज बचाने को चलाया हस्ताक्षर अभियान

बीएनएम@ समस्तीपुर

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) की समस्तीपुर इकाई ने प्रस्तावित पटना-पूर्णिया ग्रीन फील्ड एक्सप्रेस-वे के वर्तमान एलाइनमेंट के विरोध में केदार संत रामाश्रय महाविद्यालय के अस्तित्व की रक्षा हेतु एक व्यापक हस्ताक्षर अभियान चलाया। इस अभियान में सैकड़ों छात्र-छात्राओं ने भाग लिया और कॉलेज को बचाने का संकल्प लिया। अभाविप के उत्तर बिहार प्रांत सहमंत्री अनुपम कुमार झा ने कहा कि वर्तमान एलाइनमेंट से 50 वर्ष पुराने इस शैक्षणिक संस्थान की महत्वपूर्ण भूमि प्रभावित हो रही है, जिससे इसका अस्तित्व संकट में है। उन्होंने बताया कि जिला पदाधिकारी और राज्यपाल को ज्ञापन सौंपने के बाद भी ठोस कार्रवाई न होने से छात्रों में भारी आक्रोश है। जिला संयोजक केशव माधव ने चेतावनी दी कि यदि अगले आठ दिनों के भीतर प्रशासन ने कोई संतोषजनक पहल नहीं की, तो अभाविप धरना-प्रदर्शन और जनआंदोलन जैसे चरणबद्ध लोकतांत्रिक कार्यक्रम शुरू करेगी। कार्यक्रम में अभाविप के कई प्रमुख पदाधिकारी, स्थानीय कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

हरसिद्धि में साढ़े 14 लाख की लागत से बना जीविका भवन, जल्द जीविका दीदियों को होगा सुपुर्द

बीएनएम@ हरसिद्धि

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के तहत हरसिद्धि प्रखंड की हसुआहाँ मानिकपुर पंचायत के लछुमनवा वार्ड संख्या-8 में करीब 14.50 लाख रुपये की लागत से जीविका भवन का निर्माण कार्य पूरा हो गया है। मार्च में भवन बनकर तैयार हो चुका है और उद्घाटन के बाद इसे जीविका दीदियों को सुपुर्द किया जाएगा। भवन के निर्माण से अब जीविका समूहों की बैठकों, प्रशिक्षण कार्यक्रमों और अन्य गतिविधियों के संचालन में काफी सुविधा होगी। पंचायत समिति सदस्य रजिया खातून ने बताया कि जीविका भवन के निर्माण से महिला स्वयं सहायता समूहों को एक स्थायी मंच मिलेगा, जिससे संगठन और अधिक सशक्त होगा। उन्होंने बताया कि भवन में कार्यालय कक्ष के साथ बैठक एवं प्रशिक्षण के लिए सभागार की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। इसके अलावा भवन में बिजली की वायरिंग, आवश्यक विद्युत व्यवस्था, पेयजल के लिए बोरिंग तथा जल संरक्षण के उद्देश्य से सोख्ता का भी निर्माण कराया गया है। उन्होंने कहा कि मुखिया द्वारा निर्धारित समय सीमा के भीतर भवन निर्माण कार्य पूरा करा लिया गया है। अब उद्घाटन के बाद भवन को जीविका दीदियों के उपयोग के लिए सौंप दिया जाएगा, जिससे पंचायत स्तर पर जीविका गतिविधियों के संचालन को नई गति मिलेगी।

पताही सीएचसी के प्रसव कक्ष के सामने जलजमाव में पनपे कीड़े, मरीजों और नवजातों पर संक्रमण का खतरा

बीएनएम@ पताही

प्रखंड मुख्यालय स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) के प्रसव कक्ष के सामने लंबे समय से जमा पानी अब गंभीर स्वास्थ्य चिंता का विषय बन गया है। जलजमाव में कीड़े पड़ने शुरू हो गए हैं, जिससे अस्पताल आने वाले मरीजों, प्रसूताओं, नवजात शिशुओं और उनके परिजनों पर संक्रमण का खतरा मंडराने लगा है। उल्लेखनीय है कि इस समस्या को लेकर बॉर्डर न्यूज मिरर ने पूर्व में प्रमुखता से खबर प्रकाशित की थी। इसके बावजूद अब तक जलनिकासी की स्थायी व्यवस्था नहीं हो सकी। परिणामस्वरूप गंदे पानी में कीड़े पनपने लगे हैं, जिससे डेंगू, मलेरिया और अन्य संक्रामक बीमारियों के फैलने की आशंका बढ़ गई है। अस्पताल में इलाज कराने पहुंचे लोगों का कहना है कि प्रसव कक्ष जैसे संवेदनशील स्थान के सामने इस तरह गंदा पानी जमा रहना गंभीर लापरवाही को दर्शाता है। उनका कहना है कि जहां नवजात शिशुओं और प्रसूताओं का इलाज होता है, वहां साफ-सफाई और स्वच्छ वातावरण सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। लोगों ने तत्काल जलनिकासी कराकर पूरे परिसर की सफाई कराने की मांग की है। इस संबंध में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सा प्रभारी डॉ. शंकर बैठा ने बताया कि परिसर में जमा पानी की निकासी और साफ-सफाई के लिए प्रखंड स्वास्थ्य प्रबंधक को आवश्यक निर्देश दे दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि जल्द ही जलनिकासी कराकर परिसर को स्वच्छ बनाया जाएगा, ताकि मरीजों और उनके परिजनों को किसी प्रकार की परेशानी या संक्रमण के खतरे का सामना न करना पड़े।

हरसिद्धि में पुलिस का आधी रात को बड़ा 'ऑपरेशन': अपराधियों की साजिश नाकाम, एक गिरफ्तार, हथियार व बाइक बरामद

बीएनएम@ अरेराज/हरसिद्धि

हरसिद्धि थाना पुलिस ने आधी रात को एक बड़े ऑपरेशन के तहत अपराधियों के मंसूबों पर पानी फेर दिया है। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर त्वरित कार्रवाई करते हुए एक शातिर अपराधी को अवैध हथियार, जिंदा कारतूस और बिना नंबर प्लेट की मोटरसाइकिल के साथ रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। हालांकि, उसके अन्य साथी अंधेरे का फायदा उठाकर भागने में सफल रहे, जिनकी तलाश में पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है। जानकारी के अनुसार, मोतिहारी पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अरेराज अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी रवि कुमार के नेतृत्व में हरसिद्धि थाना पुलिस को 2 जुलाई 2026 की रात एक अहम सुराग मिला था। सूचना थी कि मठलोहियार चौक के पास कुछ अपराधी किसी बड़ी आपराधिक घटना को अंजाम देने की फिराक में जुटे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने बिना वक्त गंवाए इलाके की घेराबंदी कर दी। पुलिस टीम को अचानक सामने देख अपराधियों में हड़कंप मच गया और वे भागने लगे। पुलिस ने मुस्तैदी दिखाते हुए घेराबंदी कर एक अपराधी को मौके पर ही दबोच लिया, जबकि उसके अन्य सहयोगी रात के अंधेरे का लाभ उठाकर रफूचक्कर हो गए। गिरफ्तार आरोपी की पहचान हरसिद्धि थाना क्षेत्र के मठलोहियार निवासी लक्ष्मण साह के 21 वर्षीय पुत्र बबलू कुमार के रूप में हुई है। गिरफ्तार आरोपी बबलू कुमार की जब मौके पर तलाशी ली गई, तो उसके पास से एक लोडेड देशी पिस्टल, एक जिंदा कारतूस तथा बिना नंबर प्लेट और बिना वैध कागजात की एक मोटरसाइकिल बरामद की गई। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि फरार हुए अन्य अपराधियों की पहचान सुनिश्चित कर ली गई है और सभी का आपराधिक रिकॉर्ड खंगाला जा रहा है। उनके संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दी जा रही है और जल्द ही वे भी पुलिस की गिरफ्त में होंगे। इस संबंध में हरसिद्धि थाना में सुसंगत धाराओं के तहत कांड दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। अपराधियों की बड़ी साजिश को नाकाम करने वाली इस सफल टीम में मुख्य रूप से अरेराज के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी रवि कुमार, हरसिद्धि के पर्यवेक्षी पदाधिकारी सह पुलिस निरीक्षक अजय कुमार, थानाध्यक्ष सह पुलिस अवर निरीक्षक सुनील कुमार, अपर थानाध्यक्ष अविनाश कुमार तथा सिपाही प्रिंस कुमार सहित थाना के अन्य पुलिस बल के जवान शामिल रहे।

जिला पदाधिकारी ने सुनीं 131 लोगों की शिकायतें

बीएनएम@ बेतिया

जिला मुख्यालय स्थित समाहरणालय परिसर में आयोजित जनसुनवाई में जिलाधिकारी तरनजोत सिंह ने आम लोगों की समस्याएं सुनीं। जिले के विभिन्न प्रखंडों एवं पंचायतों से पहुंचे

फरियादियों ने अपनी शिकायतें सीधे जिलाधिकारी के समक्ष रखीं। जनसुनवाई के दौरान कुल 131 मामलों की सुनवाई हुई, जिनमें कई शिकायतों का समाधान मौके पर ही कर दिया गया, जबकि शेष मामलों के शीघ्र निष्पादन के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए।जनसुनवाई में भूमि विवाद, राजस्व संबंधी मामले, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, प्रधानमंत्री आवास योजना, बिजली आपूर्ति, पेयजल संकट, सड़क निर्माण एवं मरम्मत तथा राशन कार्ड से संबंधित शिकायतें प्रमुख रूप से सामने आईं। जिलाधिकारी ने सभी मामलों की बारीकी से समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रत्येक शिकायत का निर्धारित समय-सीमा के भीतर निष्पक्ष एवं गुणवत्तापूर्ण निष्पादन सुनिश्चित किया जाए। इस अवसर पर उप विकास आयुक्त काजले वैभव नितिन, अपर समाहर्ता राजीव रंजन सिन्हा, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी अमरेन्द्र कुमार, वरीय उप समाहर्ता अहमद अली अंसारी, पीजीआरओ मासूम अंसारी समेत अन्य जिला स्तरीय पदाधिकारी उपस्थित रहे।

वेतन भुगतान नहीं होने पर एएनएम का कार्य बहिष्कार, पताही सीएचसी की स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित

बीएनएम@ पताही

प्रखंड मुख्यालय स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में कार्यरत नियमित महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं (एएनएम) ने बकाया वेतन के भुगतान की मांग को लेकर कार्य बहिष्कार शुरू कर दिया है। एएनएम ने स्पष्ट कहा है कि जब तक उनका बकाया वेतन नहीं मिलेगा, तब तक उनका कार्य बहिष्कार जारी रहेगा। कार्य बहिष्कार पर बैठी एएनएम का कहना है कि लंबे समय से वेतन नहीं मिलने के कारण वे गंभीर आर्थिक संकट से जूझ रही हैं। परिवार का भरण-पोषण, बच्चों की पढ़ाई, दैनिक जरूरतों और अन्य घरेलू जिम्मेदारियों का निर्वहन करना कठिन हो गया है। आर्थिक तंगी के कारण वे मानसिक तनाव का भी सामना कर रही हैं। एएनएम ने बताया कि वे लगातार अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करती रही हैं, लेकिन समय पर वेतन नहीं मिलने से मजबूर होकर उन्हें कार्य बहिष्कार का रास्ता अपनाना पड़ा। उनका कहना है कि संबंधित अधिकारियों से कई बार वेतन भुगतान की मांग की गई, लेकिन अब तक भुगतान नहीं हो सका। एएनएम के कार्य बहिष्कार से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की स्वास्थ्य सेवाओं पर असर पड़ने की आशंका जताई जा रही है। विशेषकर टीकाकरण, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं सहित अन्य नियमित स्वास्थ्य कार्यक्रम प्रभावित हो सकते हैं। इस संबंध में सीएचसी के चिकित्सा प्रभारी डॉ. शंकर बैठा ने बताया कि एएनएम से बातचीत की गई है और मामले की जानकारी जिला स्तर पर भेज दी गई है। उन्होंने कहा कि वेतन भुगतान के लिए आवंटन (एलॉटमेंट) का इंतजार किया जा रहा है। जैसे ही आवंटन प्राप्त होगा, सभी नियमित एएनएम का बकाया वेतन तत्काल भुगतान कर दिया जाएगा।

अपराधियों पर शिकंजा कसने की तैयारी, अरेराज एसडीपीओ ने सभी थानाध्यक्षों को दिए सख्त निर्देश

अपराध समीक्षा बैठक में लंबित कांडों के निष्पादन, वारंटियों की गिरफ्तारी और गश्त तेज करने पर जोर

बीएनएम@ अरेराज

अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) रवि कुमार की अध्यक्षता में अनुमंडल कार्यालय में अपराध समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में अनुमंडल क्षेत्र के सभी थानाध्यक्षों एवं सर्किल इंस्पेक्टरों ने भाग लिया। इस दौरान क्षेत्र में कानून-व्यवस्था, लंबित कांडों की प्रगति तथा अपराध नियंत्रण को लेकर विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में एसडीपीओ ने सभी थानाध्यक्षों को निर्देश दिया कि लंबित मामलों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निष्पादन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि अनुसंधान कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी और प्रत्येक मामले की नियमित मॉनिटरिंग की जाएगी। अपराध नियंत्रण को लेकर उन्होंने पुलिस गश्त को और अधिक प्रभावी बनाने, संवेदनशील क्षेत्रों में लगातार वाहन जांच अभियान चलाने तथा संदिग्ध व्यक्तियों पर कड़ी निगरानी रखने का निर्देश दिया। न्यायालय से निर्गत वारंटों का शीघ्र निष्पादन करते हुए फरार वारंटियों एवं सक्रिय अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष अभियान चलाने पर भी जोर दिया गया। एसडीपीओ रवि कुमार ने शराबबंदी कानून और मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रखने का निर्देश देते हुए कहा कि ऐसे मामलों में किसी भी स्तर पर ढिलाई नहीं बरती जाएगी। उन्होंने पुलिस अधिकारियों से कहा कि आमजन की शिकायतों का त्वरित एवं निष्पक्ष समाधान करें तथा थानों में आने वाले प्रत्येक फरियादी के साथ संवेदनशील और सम्मानजनक व्यवहार सुनिश्चित करें। बैठक में हरसिद्धि सर्किल इंस्पेक्टर अजय कुमार सिंह, पहाड़पुर सर्किल इंस्पेक्टर मुनीर आलम, हरसिद्धि थानाध्यक्ष सुनील कुमार, पहाड़पुर थानाध्यक्ष अजय कुमार, अरेराज थानाध्यक्ष प्रत्याशा कुमारी, मलाही थानाध्यक्ष सुमन भारती एवं संग्रामपुर थानाध्यक्ष अनूप कुमार सहित अनुमंडल क्षेत्र के सभी संबंधित पुलिस पदाधिकारी उपस्थित रहे।

छवि से बंध जाना सही सोच नहीं

वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग्स का अपना महत्त्व है। इसलिए उन पर गौर किया जाना चाहिए। लेकिन कृत्रिम ढंग से उनमें दर्जा बढ़ाने की कोशिशें हानिकारक हैं। फिर रैंकिंग्स में उभरने वाली छवि से बंध जाना सही सोच नहीं है। यह अच्छी खबर है कि क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग में भारतीय विश्वविद्यालयों की संख्या बढ़ी है। 500 विश्वविद्यालयों की इस ताजा सूची में भारत की 54 यूनिवर्सिटीज शामिल हुई हैं। इसमें भारत की नुमाइंदगी अब आईआईटी या आईआईएसस जैसे सार्वजनिक क्षेत्र के संस्थानों तक सीमित नहीं रह गई है। बल्कि कई प्राइवेट यूनिवर्सिटीज, राज्यों के विश्वविद्यालय और केंद्रीय संस्थानों ने भी इसमें जगह बनाई है। हालांकि यह अप्रिय तथ्य अब भी कायम है कि टॉप 100 यूनिवर्सिटीज में एक भी भारतीय विश्वविद्यालय नहीं है। टॉप 200 में भारत के सिर्फ तीन विश्वविद्यालय ही आए हैं। सबसे ऊपर 118वें स्थान पर आईआईटी दिल्ली आई है। बहरहाल, शिक्षा संस्थानों के स्तर को जानने के लिए रैंकिंग्स भले एक प्रचलित माध्यम हों, लेकिन इनके आधार पर किसी देश में शिक्षा की वास्तविक स्थिति का अंदाजा लगाना सही नजरिया नहीं होगा। मसलन, क्यूएस रैंकिंग की यह एक बड़ी आलोचना है कि इसमें विश्वविद्यालय की अकादमिक प्रतिष्ठा को अत्यधिक महत्त्व दिया जाता है। इसका भार 40 प्रतिशत तक है। प्रतिष्ठा मनोगत पैमाना है, जो सर्वेक्षण में शामिल व्यक्तियों की जानकारी एवं पूर्व-धारणाओं से तय होती है। एक अन्य पैमाना विश्वविद्यालय में विदेशी छात्रों की उपस्थिति है। भारतीय विश्वविद्यालय इस पैमाने पर पिछड़ जाते हैं। इसलिए क्यूएस या ऐसी अन्य रैंकिंग्स में भारत की स्थिति अपने-आप में समस्या नहीं है। समस्या यूनिवर्सिटी शिक्षा तक सीमित वर्गों की पहुंच, वास्तविक अनुसंधान पर कम ध्यान, और जाने वाली शिक्षा का रोजगार बाजार से कमजोर संबंध है। इस ओर ध्यान देने के बजाय रैंकिंग में आगे बढ़ने की होड़ का खराब असर यह हुआ है कि विश्वविद्यालयों में प्रति फैकल्टी प्रकाशनों की संख्या बढ़ाने और उन प्रकाशनों का आपस में उद्धरण देने जैसी विकृतियां उभरी हैं। इसलिए आवश्यकता रैंकिंग्स से आगे सोचने की है। इसके लिए उच्च शिक्षा के लिए जीडीपी का अधिक हिस्सा आवंटित करना, शिक्षक-छात्र अनुपात सुधारना और शोध संस्कृति को बढ़ावा देना अनिवार्य है। वैश्विक शोध नेटवर्क से जुड़ने और संकाय आदान-प्रदान को बढ़ावा देने की भी जरूरत है। रैंकिंग्स को पूरी तरह ठुकराना ठीक नहीं होगा, लेकिन इसमें उभरने वाली छवि से बंध जाना सही सोच नहीं है।

सीजेपी के आंदोलन के पीछे साजिश?

अजीत द्विवेदी

जिसको देखिए वह कॉकरोच जनता पार्टी यानी सीजेपी पर संदेह कर रहा है। उससे जुड़े लोगों की पृष्ठभूमि खोजी जा रही है। किसी के बारे में कहा जा रहा है कि वह एक समय में नरेंद्र मोदी का प्रशंसक था किसी के बारे में जानकारी दी जा रही है और वह आम आदमी पार्टी का सोशल मीडिया हैंडल करता था। किसी को राहुल गांधी का विरोध करने वाला बताया जा रहा है तो किसी को ब्राह्मण विरोधी ठहराया जा रहा है। सोचें, युवाओं का एक समूह इस समय का सबसे ज्वलंत मुद्दा उठा कर सरकार के खिलाफ अभियान छेड़े हुए है। लेकिन जरूरी मुद्दे उठाने में असफल रहे लोग उनकी पृष्ठभूमि निकाल कर उनको निशाना बना रहे हैं।

सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दीपके और तीनों प्रवक्ताओं सौरव दास, विजेता दहिया और आशुतोष रंका की पृष्ठभूमि खोज कर उनके ऊपर हमला किया जा रहा है। कांग्रेस का इकोसिस्टम इन लोगों को युवाओं व छात्रों का एजेंडा हाईजैक करने के लिए भाजपा की ओर से प्लांट किया गया बता रहे है तो भाजपा के नेता सीजेपी की तुलना अन्ना हजारे व अरविंद केजरीवाल के आंदोलन से कर रहे हैं और इसे अर्बन नक्सल समूह कह रहे हैं। सवाल है कि इस समूह और इसके आंदोलन को वर्तमान हालात से पैदा हुए असंतोष और युवाओं की बेचैनी की स्वाभाविक प्रतिक्रिया क्यों नहीं माना जा सकता है? यह मानने में क्या समस्या है कि आज किशोर और युवा परीक्षा में हो रही गड़बड़ियों और नौकरी व रोजगार की घटती संभावनाओं की वजह से परेशान हैं और इसलिए उन्हें एक प्लेटफॉर्म मिला तो वे वहां से अपनी परेशानी का इजहार कर रहे हैं? अभिजीत दीपके या सीजेपी से जुड़े दूसरे लोगों ने किशोरों और युवाओं को अपनी नाराजगी और असंतोष जाहिर करने का एक मंच दिया है, जहां से वर्तमान समय की सबसे ज्वलंत समस्या को उठा रहे हैं। सीजेपी के लोग पेपर लीक का विरोध कर रहे हैं, सभी प्रतियोगिता परीक्षाओं की शुचिता बहाल करने की मांग कर रहे हैं और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा मांग रहे हैं। इन मांगों से भला विपक्ष की पार्टी या नेता को क्या समस्या हो सकती है? युवाओं का यह समूह भाजपा की विभाजनकारी राजनीति को भी निशाना बना रहा है। इसलिए आप इसे सांप्रदायिक भी नहीं कह सकते हैं। तभी सवाल है कि कहीं ऐसा तो नहीं है कि सीजेपी के आंदोलन को विपक्ष, खास कर कांग्रेस पार्टी अपनी विफलता के तौर पर देख रही हो और इस वजह से इनको निशाना बनाया जा रहा हो? यह संभव है क्योंकि मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस इतने बड़े मुद्दे पर इस तरह का कोई आंदोलन नहीं खड़ा कर सकी इसलिए सीजेपी को मौका मिला। अगर कांग्रेस युवाओं के असंतोष को आवाज दे रही होती और उस असंतोष को प्रकट करने का मंच दे रही होती तो शायद सीजेपी जैसे किसी समूह की जरुरत नहीं पड़ती। ध्यान रहे सीजेपी अभी तक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर बना एक अकाउंट भर है। उसके पास न कोई संगठन है, न कोई बड़ा चेहरा है और न किसी राजनीतिक अभियान को चलाने का प्रशिक्षण या अनुभव है। फिर भी उस मंच से करोड़ों युवा जुड़े और उसके आह्वान पर हजारों लोग 40 डिग्री सेल्सियस की गर्मी में सड़कों पर प्रदर्शन के लिए उतरे। कहने को कह सकते हैं कि राहुल गांधी ने लगातार सोशल मीडिया में पोस्ट लिखी और प्रभावित छात्रों से मुलाकात की लेकिन यह समझने की जरुरत है कि समस्या जितनी बड़ी है उसके मुकाबले कांग्रेस का प्रयास बहुत छोटा और सुविधाजनक है। ड्राइंग रूम में बैठ कर 18 साल के छात्र से बात करना और उसकी वीडियो साझा करके सरकार पर हमला करना बहुत आसान है। बहरहाल, जंतर मंतर पर प्रदर्शन के लिए इक_ा हुए लोगों की संख्या असल में कितनी थी, किसके साथ ज्यादा भीड़ आई, किसका भाषण कैसा हुआ, कितनी देर प्रदर्शन चला, कौन जल्दी चला गया, किसको गर्मी लग रही थी और किसको एसी में बैठना था इन बातों का कोई मतलब नहीं है। जंतर मंतर पर यह तस्वीर दिखी कि हजारों लोग इक_ा हुए, जिनमें परीक्षा की गड़बड़ियों और पेपर लीक से परेशान छात्र थे तो नौकरी नहीं मिलने से परेशान युवा भी थे और रोजगार की घटती संभावना से बेचैन अधेड़ लोग भी थे। मुख्यधारा की मीडिया ने भले इसका बहिष्कार किया लेकिन राजधानी और आसपास के क्षेत्रों के तमाम छोटे बड़े यूट्यूबर वहां मौजूद थे। उन्होंने इसे अपने अपने हिसाब से कवर किया और देश के हर हिस्से में करोड़ों लोगों ने इसे देखा। किसी राजनीतिक या सामाजिक घटनाक्रम में लोगों में ऐसी उत्सुकता अरसे बाद देखने को मिली। किसान आंदोलन के बाद पहली बार ऐसे संगठित प्रतिरोध का स्वर पहली बार सुनाई दिया। अभी इसको इसी रूप में देखने की जरुरत है, जब तक कि कोई दूसरी बात प्रमाणित नहीं हो जाती है। लद्दाख के सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने इसे इसी रूप में देखा तो सीपीआई माले के महासचिव दीपांकर भट्टाचार्य और सीपीआई की एनी राजा ने भी इसे ऐसे ही देखा।

उनको लग रहा है कि युवाओं का एक समूह एक जरूरी मुद्दे पर प्रदर्शन कर रहा है तो उसका साथ देना चाहिए। राजनीतिक और वैचारिक असहमति अपनी जगह है। विपक्ष की ईमानदारी भी इसमें है कि परीक्षाओं में हो रही गड़बड़ी के खिलाफ जो आंदोलन हो रहे हैं, सरकार को जवाबदेह बनाने का जो प्रयास हो रहा है, जिम्मेदार लोगों को पद से हटाने की जो मांग हो रही है, उसके समर्थन में खड़ा हो।

लेकिन मुख्य विपक्षी पार्टी के नेता और उसके इकोसिस्टम के लोग इस पर संदेह पैदा कर रहे हैं और इसकी साख खराब करने की कोशिश कर रहे हैं। उनको समझ में नहीं आ रहा है कि ऐसी कोशिशों से सरकार को फायदा होगा। युवाओं में अनिश्चितता और संशय बढ़ेगा। उनके भीतर असहायता पनपेगी कि उनका साथ देने वाला कोई नहीं है। यह संशय और अविश्वास अंततः उन्हें सत्तापक्ष की बातों पर भरोसा करने के लिए प्रेरित करेगा। अगर राजनीतिक नजरिए से भी देखें तो कांग्रेस को समझना चाहिए कि जिस तरह से उसकी सरकार के खिलाफ इंडिया अगेंस्ट करप्शन का आंदोलन चला और लोगों के बीच बने माहौल का लाभ अपने मजबूत संगठन के दम पर भाजपा ने उठाया वैसे ही अभी कॉकरोच जनता पार्टी की ओर से बनाए जा रहे माहौल का लाभ कांग्रेस उठा सकती है। कांग्रेस को अपने आप को इसके लिए तैयार करना चाहिए। ध्यान रहे भाजपा और उसके सहयोगियों ने इंडिया अगेंस्ट करप्शन के आंदोलन को परदे के पीछे से समर्थन दिया था, जबकि अभी एनडीए सरकार को सबसे अधिक मुश्किल में डालने वाले आंदोलन का कांग्रेस विरोध कर रही है! असल में अन्ना हजारे और अरविंद केजरीवाल का आंदोलन जिस अंजाम को प्राप्त हुआ उसने लोगों को आशंकित बना दिया है। लोग हर चीज पर शंका करने लगे हैं। दूसरी ओर केंद्र में सत्तारूढ़ लोगों ने पिछले 12 साल में ऐसी संस्कृति को बढ़ावा दिया है, जिसमें हर तरह की असहमति को शत्रुता मानने का चलन बढ़ा है। प्रतिरोध की हर आवाज को साजिश बताया जाने लगा है। हर आंदोलन को किसी बाहरी टूलकिट का उद्यम माना जाने लगा है। किसानों और युवाओं से लेकर सरकारी कर्मचारियों तक के आंदोलन के पीछे साजिश देखी जाती है। ऐसे ही कांग्रेस और उसके इकोसिस्टम के लोग भी कॉकरोच जनता पार्टी के आंदोलन और विरोध प्रदर्शन को साजिश का नतीजा मान रहे हैं। उनको लग रहा है कि यह समूह विपक्ष का स्पेस ले रहा है। यह भी कहा जा इस समूह ने सारी जिम्मेदारी ले देकर धर्मेंद्र प्रधान पर ला दी, जिससे सरकार को राहत मिल जाएगी। लेकिन इन बातों का कोई मतलब नहीं है। राहुल गांधी भी सिर्फ धर्मेंद्र प्रधान का ही इस्तीफा मांग रहे हैं। दूसरे, कांग्रेस को स्पेस छिन जाने की चिंता नहीं करनी चाहिए। वह सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी है और सत्ता विरोधी माहौल का सबसे बड़ा लाभ भी उसी को मिलेगा। भाजपा और उसके समर्थकों की चिंता भी अपनी जगह जायज है लेकिन हिट मार कर या चप्पल मार कर कॉकरोच खत्म कर देने वाली तुलना अपने युवाओं के लिए करना बहुत खराब है।

नैनो उर्वरक-छत्तीसगढ़ के खेती-किसानी में आई नई क्रांति

तेजबहादुर सिंह भुवाल

-किसान भईयों को कम लागत में होगी अधिक पैदावारी

छत्तीसगढ़ को देश का धान का कटोरा कहा जाता है। यहां की अधिकांश आबादी कृषि पर निर्भर है और किसानों की समृद्धि राज्य के विकास से सीधे जुड़ी हुई है। बदलते समय के साथ खेती में नई तकनीकों का उपयोग बढ़ रहा है, जिनमें नैनो उर्वरक किसानों के लिए एक महत्वपूर्ण नवाचार के रूप में उभरा है। कम लागत, अधिक प्रभाव और पर्यावरण संरक्षण जैसे गुणों के कारण नैनो उर्वरक आज किसानों के बीच तेजी से लोकप्रिय हो रहा हैं।

नैनो उर्वरक अत्यंत सूक्ष्म कणों से निर्मित होते हैं, जिन्हें पौधे तेजी से और अधिक मात्रा में अवशोषित कर लेते हैं। इसके कारण पौधों को आवश्यक पोषक तत्व सही समय पर उपलब्ध हो जाते हैं और फसलों का विकास बेहतर तरीके से होता है। पारंपरिक उर्वरकों की तुलना में इनकी मात्रा कम लगती है, जिससे किसानों का खर्च घटता है और उत्पादन में वृद्धि होती है।

छत्तीसगढ़ में धान, मक्का, चना, अरहर तथा सब्जी फसलों में नैनो यूरिया और नैनो डीएपी का उपयोग किसानों के लिए लाभकारी सिद्ध हो रहा है। प्रदेश में कई किसानों ने अनुभव किया है कि नैनो उर्वरकों के प्रयोग से फसल की पैदावार बेहतर होती है, पौधे अधिक हरे-भरे रहते हैं और उत्पादन की गुणवत्ता में सुधार होता है। नैनो उर्वरकों का एक बड़ा लाभ यह भी है कि इनके उपयोग से मिट्टी की उर्वरा शक्ति पर प्रतिकूल प्रभाव कम पड़ता है। रासायनिक उर्वरकों के अत्यधिक उपयोग से जहां भूमि की गुणवत्ता प्रभावित होती है, वहीं नैनो उर्वरक संतुलित पोषण प्रदान कर मिट्टी के स्वास्थ्य को बनाए रखने में सहायता करते हैं। साथ ही जल स्रोतों में रासायनिक तत्वों के बहाव को भी कम करते हैं, जिससे पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलता है। परिवहन और भंडारण की दृष्टि से भी नैनो उर्वरक काफी सुविधाजनक हैं। पारंपरिक उर्वरकों की भारी बोरियों की जगह छोटी बोतलों में उपलब्ध नैनो उर्वरक किसानों के लिए आसानी से ले जाने और उपयोग करने योग्य होते हैं। इससे समय और श्रम दोनों की बचत होती है। छत्तीसगढ़ सरकार किसानों को आधुनिक एवं वैज्ञानिक कृषि तकनीकों से जोड़ने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। नैनो डीएपी और नैनो यूरिया जैसे उन्नत उर्वरकों के उपयोग को बढ़ावा देकर खेती को अधिक उत्पादक, किफायती और टिकाऊ बनाने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। आधुनिक तकनीक और नवाचार आधारित खेती ही भविष्य की कृषि का आधार है। नैनो उर्वरकों का उपयोग न केवल किसानों की आर्थिक स्थिति को मजबूत करेगा, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और टिकाऊ कृषि व्यवस्था को भी बढ़ावा देगा। छत्तीसगढ़ सरकार तथा कृषि विभाग किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाने के लिए लगातार प्रेरित कर रही हैं। इसी क्रम में माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी ने भी राज्य के किसानों से अपील की है कि वे वैज्ञानिक कृषि पद्धतियों और नवीन तकनीकों को अपनाकर खेती को अधिक लाभकारी बनाएं। उन्होंने किसानों को नैनो उर्वरकों के उपयोग के प्रति जागरूक होने तथा कृषि विशेषज्ञों की सलाह के अनुसार इनका प्रयोग करने का आग्रह किया है, ताकि उत्पादन बढ़े, लागत घटे और किसानों की आय में वृद्धि हो सके।

वर्तमान में कृषि क्षेत्र में बढ़ती लागत और संसाधनों की सीमित उपलब्धता के बीच नैनो उर्वरक किसानों के लिए एक प्रभावी विकल्प बनकर सामने आए हैं। यह तकनीक कम खर्च में बेहतर उत्पादन, स्वस्थ मिट्टी और सुरक्षित पर्यावरण का मार्ग प्रशस्त करती है। यदि छत्तीसगढ़ के किसान वैज्ञानिक सलाह और संतुलित उपयोग के साथ नैनो उर्वरकों को अपनाते हैं, तो आने वाले समय में यह राज्य की कृषि उन्नति और किसानों की आर्थिक समृद्धि का मजबूत आधार बन सकता है। निस्संदेह, नैनो उर्वरक छत्तीसगढ़ के किसान भाइयों के लिए आधुनिक खेती का नया वरदान साबित हो सकता है।

लेखक सहा. जनसंपर्क अधिकारी हैं

मेष राशि : मेष राशि वालों आज आपका दिन शानदार रहने वाला है। आज छात्रों को प्रतियोगी परीक्षा का बेहतर परिणाम मिलेगा। आज व्यवसाय संबंधी नई जानकारियां हासिल करना जरूरी है। मीडिया और ऑनलाइन कामों से जुड़े बिजनेस में फायदा होगा। आज आपके द्वारा की गई मेहनत के परिणाम बेहतर होंगे। आपका हंसमुख स्वभाव लोगों को आकर्षित करेगा।

वृष राशि: वृष राशि वालों आज आपका दिन आपके लिए पाजिटिव रहेगा। ऑफिस में कलीग्स के साथ आपका तालमेल अच्छा रहेगा। सॉफ्टवेयर इंजीनियर अपने किसी ड्रीम प्रोजेक्ट के लिए कड़ी मेहनत करेंगे। साथ ही आज उन्हें किसी बड़ी कंपनी से जॉब का ऑफर आ सकता है। रियल एस्टेट से जुड़े लोगों को अच्छा फायदा होगा। इस राशि के विद्यार्थियों की मेहनत आज रंग लाएगी।

मिथुन राशि: मिथुन राशि वालों आज का दिन आपके लिए नए अवसर लेकर आने वाला है। आज आप अपनी गतिविधियों को गोपनीय रखें साथ ही आसपास की गतिविधियों को नजर अंदाज ना करें। आज किसी विशेष योजना को लागू करने के लिए सक्रियता और सतर्कता बनाए रखने से सफलता मिलेगी। आज किसी से मदद की उम्मीद न रखकर अपनी कार्य क्षमता पर विश्वास रखें।

कर्क राशि: कर्क राशि वालों आज आपका दिन आपके लिए सार्थक रहेगा। आज रियल स्टेट से जुड़े लोगों की डील फायदेमंद हो सकती हैं। आज आप चुनौतियों को स्वीकार करते हुए कुछ क्रिएटिव करेंगे। आज के दिन नई योजना पर काम करने से नतीजे अच्छे मिलेंगे। आज कार्यस्थल पर पेपर वर्क करते समय सावधानी रखने की जरुरत होगी।

सिंह राशि: सिंह राशि वालों आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। आज आपको घर के वरिष्ठ सदस्यों से प्रेरणा मिलेगी। आज पारिवारिक निर्णय लेने के लिए समय अनुकूल है आज जो भी काम आप शुरू करेंगे उसमें सफलता अवश्य मिलेगी। आज आपके रहन-सहन और बातचीत करने का तरीका लोगों को आकर्षित करेगा। आज आपको अपनी पढ़ाई और करियर के प्रति ज्यादा मेहनत करने की जरूरत है।

कन्या राशि: कन्या राशि वालों आज आपका दिन खुशनुमा रहने वाला है। आज आपके ऊपर जिम्मेदारियां अधिक रहेंगी, जिन्हें आप काफी हद तक पूरा भी कर लेंगे। आज कुछ नए लोगों से जुड़ने पर आपको कई बेहतरीन जानकारियां मिलेंगी, जो भविष्य में आपके लिए काफी कारगर साबित होंगी। सरकारी कर्मचारियों को आज पदोन्नति का शुभ समाचार मिल सकता है। आज आप खुद को एनर्जेटिक महसूस करेंगे।

तुला राशि: तुला राशि वालों आज का दिन आपके लिए खुशियों की नई सौगात लेकर आएगा। आज कारोबारियों को अपना कारोबार आगे बढ़ाने के लिए नए अवसर मिलेंगे। अपने काम की क्वालिटी को और अधिक बेहतर करने के लिए प्रयास करेंगे। प्रतियोगी परीक्षा में प्रयासरत छात्रों को बड़ी सफलता मिलने के योग बन रहे हैं।

वृश्चिक राशि: वृश्चिक राशि वालों आज का दिन आपके जीवन में नए अवसर लेकर आने वाला है। आपकी हर समस्या का हल चुटकियों में निकल जायेगा। राजकीय कार्यों में आपको बड़े लाभ मिलने के आसार है आज अपने काम की क्वालिटी को और बेहतर बनाने पर ध्यान देंगे। मार्केटिंग संबंधी गतिविधियां सुचारु रूप से चलती रहेगी।

धनु राशि: धनु राशि वालों आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। आज आपका मन प्रसन्न रहेगा आज आपको शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। आज लेखन व सामाजिक आदि कार्यों से आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। आज किसी अनुभवी व्यक्ति या गुरु का मार्गदर्शन आपके मनोबल और आत्मविश्वास को बढ़ाएगा और आप अपने काम को सफलतापूर्वक पूरा करने में सफल रहेंगे।

मकर राशि: मकर राशि वालों आज आपका दिन शानदार रहने वाला है। महत्वपूर्ण निर्णय लेने के लिए आज का दिन अच्छा है। किसी नयी बिजनेस डील के लिए ऑफर मिलेगा। आप जीवनसाथी के साथ घर के कार्यों को पूरा करने में व्यस्त रहेंगे। आज कारोबारी गतिविधियों में व्यवस्था बनाकर रखना जरूरी है।

कुंभ राशि: कुंभ राशि वालों आज आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है। आज पूरा दिन खुद को तरोताजा महसूस करेंगे। आपके आस-पास सकारात्मक ऊर्जा बनी रहेगी। आज कार्य स्थल पर चल रही किसी भी गतिविधि को नजर अंदाज ना करें। आज अपनी योजनाओं को गुप्त ही रखें। आज कार्यस्थल पर शांति भरा माहौल रहेगा।

मीन राशि:मीन राशि वालों आज के दिन आप काफी व्यस्त रहने वाले है। रुका हुआ सरकारी काम आज पूरा हो जाएगा। आध्यात्मिक गतिविधियों के प्रति रुझान बढ़ेगा। विद्यार्थियों को सफलता मिलने के योग बने हुए है, लेकिन पढ़ाई में अधिक मेहनत करने की जरूरत है। आज किसी अनुभवी व्यक्ति से मिलकर आपको अपनी कई समस्याओं का हल मिल जाएगा।

बाल पुरस्कारों के लिए मप्र के बच्चों का आह्वान

डॉ. निवेदिता शर्मा

- प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार के लिए आगे आएं प्रदेश के होनहार बच्चे

भारत प्रतिभाओं की धरती है। यहां के गांवों, कस्बों और शहरों में ऐसे हजारों बच्चे हैं, जो अपनी उम्र से कहीं आगे बढ़कर समाज, पर्यावरण, विज्ञान, खेल, कला और संस्कृति के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य कर रहे हैं। कोई कठिन परिस्थितियों में भी पढ़ाई जारी रखते हुए वैज्ञानिक सोच के साथ नवाचार कर रहा है, कोई जल और जंगल बचाने का अभियान चला रहा है, कोई राष्ट्रीय स्तर पर खेलों में नाम रोशन कर रहा है, तो कोई अपनी संवेदनशीलता और साहस से समाज के लिए मिसाल बन रहा है। स्वभाविक है इस कार्य को मध्य प्रदेश के हमारे अपने अनेकों बच्चे भी कर रहे हैं, किंतु दुर्भाग्य यह है कि इनमें से अनेक बच्चों की प्रेरक कहानियां स्थानीय स्तर तक ही सीमित रह जाती हैं। वास्तव में ऐसे बच्चों को राष्ट्रीय पहचान दिलाने के उद्देश्य से प्रदेश के बच्चों, अभिभावकों, शिक्षकों, सामाजिक संस्थाओं और जनप्रतिनिधियों से "प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार" के लिए अधिक से अधिक नामांकन भेजने का आह्वान किया गया है। यह पुरस्कार उस सोच का सम्मान है, जो यह सिद्ध करती है कि परिवर्तन लाने के लिए बड़ी उम्र नहीं, बड़ा संकल्प चाहिए। यदि इच्छाशक्ति मजबूत हो तो छोटी उम्र में भी असाधारण उपलब्धियां हासिल की जा सकती हैं। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार भारत का सर्वोच्च राष्ट्रीय सम्मान है, जोकि पांच से 18 वर्ष आयु वर्ग के उन बच्चों को प्रदान किया जाता है, जिन्होंने असाधारण धैर्य, साहस, सृजनात्मकता और अदम्य जज़्बे का परिचय दिया हो। प्रत्येक वर्ष नई दिल्ली में आयोजित विशेष समारोह में भारत के राष्ट्रपति इन प्रतिभाशाली बच्चों को सम्मानित करते हैं। पुरस्कार छह श्रेणियों, जिसमें कि बहादुरी, समाज सेवा, पर्यावरण, खेल, कला एवं संस्कृति तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी शामिल हैं, मेंप्रत्येक वर्ष 26 दिसंबर को वीर बाल दिवस के अवसर पर किया जाता है। यह दिवस दसवें सिख गुरु गुरु गोबिंद सिंह जी के साहिबजादों, साहिबज़ादा जोरावर सिंह और साहिबज़ादा फतेह सिंह के अद्वितीय बलिदान और नैतिक साहस की स्मृतियों को याद करने के लिए है। मात्र नौ और सात वर्ष की आयु में अपने सिद्धांतों और आस्था से समझौता न करने वाले इन वीर बालकों का जीवन आज भी बच्चों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार उसी अमर परंपरा को वर्तमान पीढ़ी की उपलब्धियों से जोड़ने का माध्यम है, जहां साहस, सेवा, समर्पण और उत्कृष्टता को राष्ट्र का सर्वोच्च सम्मान प्राप्त होता है।

वर्ष 2019 में इस पुरस्कार की नई व्यवस्था लागू होने के बाद से अब तक देशभर के 203 बच्चों को सम्मानित किया जा चुका है। इन बच्चों की उपलब्धियां विविध क्षेत्रों में रही हैं। किसी ने बाढ़ या आग जैसी आपदा में लोगों की जान बचाई, किसी ने वैज्ञानिक उपकरण विकसित किए, किसी ने दिव्यांगजनों के लिए उपयोगी तकनीक बनाई, किसी ने पर्यावरण संरक्षण के लिए हजारों लोगों को जागरूक किया, तो किसी ने खेल या कला के क्षेत्र में भारत का गौरव बढ़ाया। इन प्रेरक कहानियों ने यह साबित किया है कि प्रतिभा किसी बड़े शहर, संसाधन या आर्थिक स्थिति की मोहताज नहीं होती। मध्य प्रदेश में भी ऐसी प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। जनजाति अंचलों से लेकर नगर, महानगरों तक अनेक बच्चे अपनी मेहनत और रचनात्मकता से नई पहचान बना रहे हैं। अलग-अलग दिशा में हमारे बच्चे महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। अब ऐसे बच्चों के कार्यों को राष्ट्रीय पहचान दिलाने के लिए आवश्यक है कि समय रहते उनका नामांकन किया जाए।

अब जिन छह श्रेणियों में यह पुरस्कार दिया जाता है, उनमें अपने जीवन की परवाह किए बिना दूसरों की सहायता की हो या संकट की घड़ी में अद्वितीय साहस और सूझबूझ का परिचय दिया हो, उसे बहादुरी के अंतर्गत सम्मान ये सम्मान मिलता है। समाज सेवा श्रेणी उन बच्चों के लिए है जिन्होंने समाज के कमजोर वर्गों, महिलाओं, बच्चों या समुदाय के हित में प्रेरणादायी कार्य किए हों। पर्यावरण श्रेणी में प्रकृति संरक्षण, जैव विविधता, जल संरक्षण, स्वच्छता और जलवायु संबंधी प्रयासों को महत्व दिया जाता है। खेल श्रेणी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों के लिए है। कला एवं संस्कृति में संगीत, नृत्य, चित्रकला, लोककला, रंगमंच और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण में योगदान देने वाले बच्चों को सम्मानित किया जाता है, जबकि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी श्रेणी में ऐसे नवाचारों को मान्यता दी जाती है, जिनसे समाज की वास्तविक समस्याओं का समाधान हुआ हो या लोगों के जीवन को बेहतर बनाने में मदद मिली हो।

इस पुरस्कार की सबसे महत्वपूर्ण और अच्छी बात यह है कि इसके लिए किसी भी योग्य बच्चे का नामांकन उसके माता-पिता, शिक्षक, सामाजिक संस्था, जनप्रतिनिधि, जिला प्रशासन या कोई भी जिम्मेदार नागरिक कर सकता है। इतना ही नहीं, यदि कोई बच्चा स्वयं को पात्र मानता है, तो वह स्व-नामांकन भी कर सकता है। यह व्यवस्था सुनिश्चित करती है कि किसी प्रतिभाशाली बच्चे की उपलब्धि सिर्फ जानकारी के अभाव में छूटना नहीं चाहिए।

पात्रता की दृष्टि से आवेदक भारतीय नागरिक और भारत का निवासी होना चाहिए। 31 जुलाई 2026 को उसकी आयु 5 से 18 वर्ष के बीच होनी चाहिए तथा उपलब्धि या कार्य पिछले दो वर्षों के भीतर का होना चाहिए। आवेदन के साथ निर्धारित दस्तावेज, हाल का फोटो तथा उपलब्धि का संक्षिप्त विवरण नामांकन की अंतिम तिथि से पहले ऑनलाइन पोर्टल https://awards.gov.in पर जमा करना होगा।

यहां यह भी समझें कि प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार वास्तव में उस विश्वास का प्रतीक है कि राष्ट्र अपने बच्चों की प्रतिभा, संवेदनशीलता, साहस और नवाचार को देख रहा है, समझ रहा है और उसका सम्मान कर रहा है। यह सम्मान उन बच्चों को नई पहचान देता है और लाखों अन्य बच्चों को यह संदेश देता है कि सकारात्मक सोच, निरंतर मेहनत और समाज के प्रति जिम्मेदारी किसी भी उम्र में राष्ट्रीय गौरव का कारण बन सकती है।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

महिला टी20 विश्व कप: इंग्लैंड ने दक्षिण अफ्रीका को 40 रन से हराकर फाइनल में बनाई जगह

एजेंसी, लंदन

कप्तान नैट साइवर-ब्रंट और पूर्व कप्तान हीदर नाइट की शानदार अर्धशतकीय पारियों के दम पर मेजबान इंग्लैंड ने महिला टी20 विश्व कप 2026 के सेमीफाइनल में गुरुवार को दक्षिण अफ्रीका को 40 रन से हराकर फाइनल में प्रवेश कर लिया। अब खिताबी मुकाबले में इंग्लैंड की भिड़ंत ऑस्ट्रेलिया से 6 जुलाई को लॉर्ड्स में होगी।

पहले बल्लेबाजी करते हुए इंग्लैंड की शुरुआत बेहद खराब रही और टीम महज 23 रन पर तीन विकेट गंवा चुकी थी। इसके बाद चोट से वापसी कर रही नैट साइवर-ब्रंट और हीदर नाइट ने चौथे विकेट के लिए 133 रन की रिकॉर्ड साझेदारी कर टीम को संकट से बाहर निकाला। साइवर-ब्रंट ने केवल 47 गेंदों में 75 रन की विस्फोटक पारी खेली, जिसमें 11 चौके और एक छक्का शामिल रहा। वहीं हीदर नाइट ने 47 गेंदों में 58 रन बनाकर उनका शानदार साथ निभाया। दोनों की बदौलत इंग्लैंड ने निर्धारित 20 ओवर में 5 विकेट पर 169 रन बनाए। दक्षिण अफ्रीका की ओर से शुरुआत में शबनिम इस्माइल और मारिजाने कैप ने बेहतरीन गेंदबाजी की। इस्माइल ने 2 विकेट, जबकि कैप ने अपने चार ओवर में केवल 16 रन देकर एक विकेट हासिल किया। 170 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी दक्षिण अफ्रीका की टीम नियमित अंतराल पर विकेट गंवाती रही। कप्तान लौरा वोल्वार्ड्ट सिर्फ 13 रन बनाकर आउट हो गईं। सलामी बल्लेबाज ताज़मिन ब्रिट्स ने संघर्ष करते हुए 51 रन बनाए, लेकिन उन्हें दूसरे छोर से पर्याप्त सहयोग नहीं मिला। इंग्लैंड की ओर से गेंदबाजों ने भी शानदार प्रदर्शन किया। लॉरेन बेल और चार्ली डीन ने दो-दो विकेट झटके, जबकि बाकी गेंदबाजों ने भी कसी हुई गेंदबाजी करते हुए दक्षिण अफ्रीका को 20 ओवर में 8 विकेट पर 129 रन तक ही सीमित रखा। मैच के दौरान इंग्लैंड की फील्डिंग भी शानदार रही। सोफी एक्लेस्टोन ने कठिन कैच लपककर दक्षिण अफ्रीका की उम्मीदों को झटका दिया, जबकि डैनी वायट-हॉज की सटीक थ्रो से सिनालो जाफ्टा रन आउट हुईं।

इस जीत के साथ इंग्लैंड ने पिछले कुछ वर्षों में आईसीसी नॉकआउट मुकाबलों में मिली निराशाओं का बदला भी चुकता किया। 2023 महिला टी20 विश्व कप और 2024 महिला वनडे विश्व कप के सेमीफाइनल में दक्षिण अफ्रीका से मिली हार का हिसाब बराबर करते हुए इंग्लैंड अब घरेलू सरजमीं पर विश्व चैंपियन बनने से सिर्फ एक जीत दूर है।

भारत के खिलाफ सीरीज से पहले जिम्बाब्वे ने वॉल्श को बनाया पूर्णकालिक गेंदबाजी कोच

एजेंसी, हरारे

भारत के खिलाफ इस महीने के अंत में होने वाली टी20 सीरीज को देखते हुए जिम्बाब्वे क्रिकेट बोर्ड ने वेस्टइंडीज के दिग्गज तेज गेंदबाज कोर्टनी वॉल्श को टीम का पूर्णकालिक गेंदबाजी कोच बनाया है। वॉल्श अब मुख्य कोच जस्टिन सैमंस के साथ मिलकर काम करेंगे। उनका काम टीम के गेंदबाजी आक्रमण को बेहतर बनाना रहेगा। जिम्बाब्वे क्रिकेट ने कहा है कि यह नियुक्ति ब्लेसिंग न्गोंडो की अध्यक्षता वाली क्रिकेट कमेटी की सिफारिशों के आधार पर की गई है, जिसे बोर्ड के चेयरमैन तवेंग्वा मुकुहलानी ने भी अपनी सहमति दे

दी है। मुकुहलानी ने कहा, हमें पूरा भरोसा है कि हमारा नया कोचिंग समूह अनुभव, विशेषज्ञता, निरंतरता और नए विचारों से भरपूर जिससे हमारी राष्ट्रीय टीम के खिलाड़ियों को काफी लाभ होगावॉल्श ने इसी साल टी20 विश्व कप में भी गेंदबाजी सलाहकार के तौर पर काम किया था। उनके मार्गदर्शन में, टीम ने टूर्नामेंट में प्रभावशाली प्रदर्शन किया और ग्रुप-बी में शीर्ष स्थान हासिल करते हुए सुपर-8 तक का सफर तय किया था। उस दौरान गेंदबाजी में देखे गए सकारात्मक बदलावों और सुधारों को देखते हुए, जिम्बाब्वे क्रिकेट ने उन्हें अब पूर्णकालिक रूप से गेंदबाजी कोच की जिम्मेदारी सौंपी है।

वॉल्श को अंतरराष्ट्रीय कोचिंग का भी लंबा अनुभव प्राप्त है। वह 2016 से 2019 तक बांग्लादेश के गेंदबाजी कोच रहे, और 2018 में चंडिका हथुरुसिंघा के इस्तीफे के बाद अंतरिम मुख्य कोच की भूमिका भी निभाई थी। इसके बाद, 2020 में उन्हें वेस्टइंडीज महिला टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया गया था, जहां उन्होंने 2023 टी20 विश्व कप तक अपनी सेवाएं दीं। एक खिलाड़ी के रूप में, कोर्टनी वॉल्श क्रिकेट इतिहास के सबसे महान तेज गेंदबाजों में गिने जाते हैं।

शार्दुल ठाकुर का लक्ष्य भारतीय टीम में वापसी करना

एजेंसी, मुम्बई

पिछले काफी समय से भारतीय क्रिकेट टीम से बाहर चल रहे तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर ने कहा है कि उनका लक्ष्य घरेलू क्रिकेट में लगातार बेहतर प्रदर्शन कर टीम में वापसी करना है। शार्दुल ने कह कि देश की ओर से खेलना हर खिलाड़ी का सपना होता है। मेरा प्रयास भी यही है, साथ ही कहा कि जब भी अवसर मिला है। मैंने टीम को जीत दिलाने में अपना पूरा योगदान दिया है। शार्दुल के अनुसार पिछले साल हुए इंग्लैंड दौरे में उनकी क्षमताओं का सही इस्तेमाल नहीं हुआ जिसके

कारण ही वह उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाये थे। तब उन्होंने दो मैचों में कुल 27 ओवर गेंदबाजी की और दो विकेट लिए थे। शार्दुल ने दावा किया है कि गेंदबाजी का उन्हें पर्याप्त अवसर नहीं दिया गया। । उनका कहना है कि उन्हें न केवल कम ओवर दिए गए, बल्कि गलत समय पर गेंदबाजी कराई गई, जिससे वह अधिक प्रभावी नहीं रहे। इस ऑलराउंडर ने कहा, जब मैंने इंग्लैंड में खेला तो गेंदबाजी में मेरा सही इस्तेमाल नहीं हुआ। उन्होंने जोर दिया कि उन्हें गेंदबाजी के लिए सही समय पर नहीं लगाया गया। मुझे सिर्फ कम गेंदबाजी नहीं मिली, बल्कि गलत समय पर गेंदबाजी कराई गई। मुझे लगता है कि रणनीति में कहीं न कहीं गलती हुई थी।, उन्होंने कहा कि लीड्स टेस्ट में लगातार दो गेंदों पर बेन डकेट और हैरी ब्रूक के बड़े विकेट लेने के बाद भी उन्हें गेंदबाजी से हटा दिया गया था।

अश्विन यूरोपीय टी20 प्रीमियर लीग में डबलिन गार्डियंस की कप्तानी करेंगे

एजेंसी, मुम्बई। दिग्गज ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन अब यूरोपीय टी20 प्रीमियर लीग (ईटीपीए) में खेलते देखेंगे। अश्विन को पहले सत्र के लिए डबलिन गार्डियंस का कप्तान और मेंटर बनाया गया है। डबलिन गार्डियंस फ्रेंचाइजी के मालिक भारतीय टीम के भारत के पूर्व कप्तान राहुल द्रविड़ हैं। ऐसे में अश्विन का इस टीम से जुड़ना लीग की सबसे बड़ी और रणनीतिक नियुक्तियों में से एक माना जा रहा है। द्रविड़ जैसे दिग्गज के साथ अश्विन का यह जुड़ाव भारतीय क्रिकेट प्रशंसकों के लिए भी उत्सुकता का विषय है, क्योंकि दोनों का क्रिकेटिंग ज्ञान और रणनीतिक दृष्टिकोण भारतीय टीम के लिए कई बार महत्वपूर्ण साबित हुआ है। अश्विन, जो अपनी चतुराई भरी गेंदबाजी और खेल को गहराई से समझने के लिए जाने जाते हैं। अश्विन फिलहाल अमेरिका में मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) में सैन फ्रांसिस्को यूनिकॉर्न्स के लिए खेल रहे हैं। यह दोहरी भूमिका, जिसमें कप्तानी के साथ-साथ मेंटरशिप भी शामिल है, उनके अनुभव और नेतृत्व कौशल का पूरा सदुपयोग करेगी। ईटीपीएल अपने आप में एक ऐतिहासिक पहल है। यह क्रिकेट आयरलैंड, क्रिकेट स्कॉटलैंड और रॉयल डच क्रिकेट एसोसिएशन की साझेदारी में शुरू की गई यूरोप की पहली आईसीसी मान्यता प्राप्त बहु-राष्ट्रीय फ्रेंचाइजी टी20 लीग है।

वैभव को जगह देने सैमसन या ईशान को हटाने के पक्ष में नहीं पुजारा

एजेंसी, नई दिल्ली

पूर्व क्रिकेटर चेतेश्वर पुजारा ने कहा है कि जिस प्रकार से उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में अवसर देने के लिए संजू सैमसन, ईशान किशन या किसी अन्य अनुभवी खिलाड़ी को बाहर किये जाने के सुझाव दिये जा रहे हैं। उससे वह सहमत नहीं हैं। पुजारा के अनुसार वैभव को शामिल करने के लिए सैमसन जैसे विकेटकीपर बल्लेबाज को बाहर किये जाने के बारे में सोचना भी नहीं चाहिये। उन्होंने कहा कि सैमसन जैसे खिलाड़ी को अभी

लंबे समय तक टीम में बनाये रखना चाहिये। पुजारा ने कहा, मुझे लगता है कि भारतीय टीम को सैमसन के साथ बने रहना चाहिए। उन्हें वैभव के कारण किसी तरह का दबाव महसूस नहीं करना चाहिए। उन्होंने अपनी प्रतिभा से अपने को साबित किया है और उनकी जगह अंतिम ग्यारह में बनी रहनी चाहिये। इस प्रकर की मांग करना की सैमसन को बारहर बैठा दिया जाये कहीं से ही सही नहीं है। वह एक बेहतरीन खिलाड़ी हैं और उन्हें लंबे समय तक खेलने का अवसर मिले। साथ ही कहा कि वैभव को जगह देने के लिए किसी भी स्थापित सीनियर खिलाड़ी को बाहर करना गलत होगा। उन्होंने कहा, अगर वैभव को अवसर है, तो उन्हें दें पर किसी को टीम से बाहर करके नहीं, बल्कि किसी खिलाड़ी को आराम देकर। यदि आप उन्हें अवसर देना चाहते हैं, तो यह ठीक है।

बिजनेस

फ्रांसीसी कंपनियों को 'विकसित भारत' में भागीदार बनने के लिए वित्त मंत्री का न्योता

सीतारमण ने कहा, भारत और फ्रांस की रणनीतिक साझेदारी लगातार हो रही है मजबूत

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने फ्रांस के कारोबारियों और निवेशकों को 'विकसित भारत 2047' की यात्रा में भारत के साथ साझेदारी करने के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने भारत-फ्रांस रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने और दोनों देशों की साझा समृद्धि के लिए काम करने की जरूरत पर जोर दिया।

केंद्रीय वित्त मंत्री ने गुरुवार को पेरिस में आयोजित भारत-फ्रांस व्यापार गोलमेज सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि दोनों देश तकनीक, नवाचार, ऊर्जा और डिजिटल विकास के क्षेत्र में मिलकर काम कर रहे हैं। सीतारमण ने कहा कि भारत और फ्रांस की रणनीतिक साझेदारी

लगातार मजबूत हो रही है। उन्होंने फ्रांसीसी निवेशकों से जीवन विज्ञान, टीके, सक्रिय फार्मास्युटिकल सामग्री (एपीआई), नैदानिक अनुसंधान, सटीक चिकित्सा और डिजिटल स्वास्थ्य में दोनों देशों की पूरक शक्तियों का लाभ उठाकर स्वास्थ्य सेवा, फार्मास्यूटिकल्स और जैव प्रौद्योगिकी में साझेदारी की संभावनाओं का पता लगाने का आग्रह किया, ताकि लचीली स्वास्थ्य सेवा मूल्य श्रृंखलाओं का निर्माण किया जा सके। वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा कि भारत और फ्रांस एआई के क्षेत्र में भरोसेमंद साझेदार हैं। उन्होंने बताया कि भारत में लगभग 1 हजार फ्रांसीसी कंपनियां काम कर रही हैं। निर्मला सीतारमण ने भारत के वित्तीय परिवेश का उल्लेख करते हुए कहा कि अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र प्राधिकरण (आईएफएससीए) एक प्रमुख वैश्विक वित्तीय केंद्र के रूप में उभरा है। वित्त मंत्री ने बताया कि जून 2026 तक इसके साथ 1,200 से अधिक संस्थाएं पंजीकृत थीं, जबकि बैंकिंग परिसंपत्तियां 111 अरब अमेरिकी डॉलर और संचयी बैंकिंग लेनदेन 176 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच चुके हैं।

उन्होंने कहा कि बैंकिंग, कोष प्रबंधन, पट्टे (लीजिंग), वैश्विक क्षमता केंद्र (जीसीसी), पुनर्बीमा और टिकाऊ वित्त जैसे क्षेत्रों में अवसर तेजी से बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत और फ्रांस वैश्विक कृत्रिम मेधा (एआई) परिवेश को आकार देने में विश्वसनीय साझेदार हैं और विश्वसनीय एआई, डिजिटल अवसंरचना तथा अगली पीढ़ी की प्रौद्योगिकियों में सहयोग का दायरा बढ़ा सकते हैं। सीतारमण ने कहा कि आधार, यूपीआई, डिजिलॉकर, ओएनडीसी और इंडिया स्टैक जैसी डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना से संचालित भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था दुनिया में होने वाले वास्तविक समय के डिजिटल भुगतान का लगभग आधा हिस्सा संभालती है।

शुरुआती कारोबार में उतार-चढ़ाव के बीच शेयर बाजार में तेजी, सेंसेक्स और निफ्टी उछले

एजेंसी, नई दिल्ली

घरेलू शेयर बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान उतार-चढ़ाव के बीच तेजी का रुख रहा। कारोबार की शुरुआत भी मजबूती के साथ हुई । हालांकि बाजार खुलते ही बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण बाजार की चाल में मामूली गिरावट भी आई, लेकिन थोड़ी देर बाद ही खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया।

सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.61 प्रतिशत और निफ्टी 0.66 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। प्रातः 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट की दिग्गज कंपनियां में से एचसीएल टेक्नोलॉजी, टाटा स्टील, बजाज फिनसर्व, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज और डॉक्टर रेड्डीज लेबोरेट्रीज के शेयर 3.73 प्रतिशत से लेकर 1.94 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर, अदानी एंटरप्राइजेज, टीएमपीवी, महिंद्रा एंड महिंद्रा, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया और टेक महिंद्रा के शेयर 0.48 प्रतिशत से लेकर 0.34 प्रतिशत की कमजोरी के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे थे।

स्टॉक मार्केट में क्रेजी स्नैक्स की मजबूत शुरुआत, फायदे में आईपीओ निवेशक

एजेंसी, नई दिल्ली

बेकरी आइटम और कई तरह के स्नैक्स बनाने वाली कंपनी क्रेजी स्नैक्स के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में मजबूती के साथ एंट्री कर अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 42 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 4.76 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 44 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद लिवाली के सपोर्ट से ये शेयर 46.20 रुपये के अपर सर्किट लेवल तक पहुंच गया। हालांकि थोड़ी देर बाद ही बिकवाली शुरू हो जाने के कारण इसका अपर सर्किट ब्रेक हो गया। दोपहर 11:30 बजे तक का कारोबार होने के बाद कंपनी के शेयर 44.55 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे। इस तरह अभी तक के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशक प्रति शेयर 2.55 रुपये यानी 6.07 प्रतिशत के फायदे में थे। क्रेजी स्नैक्स का 31.47 करोड़ रुपये का आईपीओ 25 से 30 जून के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से एवरेज रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 1.21 गुना सब्सक्राइब

हो सका था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 4.75 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 1.08 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 1.26 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 25.20 करोड़ रुपये के 60 लाख नए शेयर 6.27 करोड़ रुपये के 15 लाख शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे गए हैं। आईपीओ में नए शेयरों की बिक्री से जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी नई मशीनरी खरीदने, पुराने कर्ज के बोझ को कम करने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें, तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 3.54 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 5.32 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 6.33 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में अप्रैल से 31 दिसंबर 2025 तक कंपनी को छह करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका था। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में मामूली उतार चढ़ाव के बावजूद बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2022-23 में इसे 89.17 करोड़ का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 129.08 करोड़ और वित्त वर्ष 2024-25 में फिसल कर 111.63 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। वहीं पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में अप्रैल से 31 दिसंबर 2025 तक कंपनी को 87.56 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हो चुका था।

गुजरात और असम के क्षेत्रों में नेटवर्क गुणवत्ता की जांच में बीएसएनएल का प्रदर्शन सबसे खराब

एजेंसी, नई दिल्ली

असम और गुजरात के कुछ जिलों के अलग-अलग क्षेत्रों में धरातलीय स्तर पर इंडिपेंडेंट ड्राइव टेस्ट (आईडीटी) के दौरान बीएनएनएल का नेटवर्क सबसे खराब दर्ज किया गया। वहीं, दूसरे नंबर पर वोडाफोन-आइडिया रहा। इसके बाद एयरटेल और अगले स्थान पर जियो का रहा। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) के अनुसार जांच में मुख्य रूप से असम के डिब्रूगढ़ और तिनसुकिया जिला तथा गुजरात का भरूच शहर और आसपास के इलाकों सहित 11 हॉटस्पॉट को शामिल किया गया था। ड्राइव टेस्ट में सभी टीएसपी के सिम

कार्ड 2जी, 3जी, 4जी और 5जी का उपयोग किया गया है। इसके माध्यम से यह पता लगाया जाता है कि सार्वजनिक स्थलों सहित अन्य स्थलों पर नेटवर्क की स्पीड कितनी है। जांच के दौरान पता चला है कि बेहतर नेटवर्क गुणवत्ता के दावे के बावजूद इसमें कवरेज गैप, वॉयस सर्विस, कॉल साइलेंस इंस्टेंस और डेटा सर्विस जैसी खामियां पाई गई हैं। ट्राई के जयपुर रीजनल ऑफिस की देखरेख में गुजरात में यह टेस्ट 5 से 8 मई 2026 के बीच किया गया था, जिसमें 361.2 किलोमीटर तक ड्राइव टेस्ट का उपयोग किया गया। यह टेस्ट ट्राई सेवा की गुणवत्ता के मुख्य पैमानों जैसे कवरेज, कॉल ड्रॉप रेट (सीडीआर), कॉल सेटअप सक्सेस रेट (सीएसएसआर), डेटा डाउनलोड और अपलोड थ्रूपुट आदि पर टीएसपी के प्रदर्शन को रिकॉर्ड करता है। इससे पहले मई 2026 में किए गए इस टेस्ट में वॉयस कॉल और डेटा स्पीड के मामले में रिलायंस जियो (आरजीआईएल) और भारती एयरटेल का प्रदर्शन सबसे बेहतर रहा जबकि सरकारी टेलीकॉम कंपनी बीएसएनएल और वोडाफोन आइडिया (वीआईएल) कई पैमानों पर पिछड़ती नजर आईं।

सर्राफा बाजार में महंगा हुआ सोना, चांदी की भी बढ़ी चमक

एजेंसी, नई दिल्ली । घरेलू सर्राफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान तेजी का रुख बना हुआ है। भाव में आए उछाल के कारण आज चेन्नई के अलावा देश के ज्यादातर दूसरे सर्राफा बाजार में सोना 2,770 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 3,020 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया। वहीं चेन्नई में सोने के भाव में 1500 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,630 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की तेजी दर्ज की गई है। चांदी के भाव में भी आज 5,000 रुपये प्रति किलोग्राम तक की मजबूती दर्ज की गई है। सोने की कीमत में आई तेजी के कारण आज देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,43,790 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,46,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,31,810 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,34,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी उछाल आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 2,45,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,43,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,31,960 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

कुसुमगर लि. का आईपीओ 08 जुलाई को खुलेगा, प्राइस बैंड 398-419 रुपये प्रति शेयर

एजेंसी, मुंबई

सिंथेटिक फैब्रिक बनाने वाली कंपनी कुसुमगर लिमिटेड का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 08 जुलाई को खुलेगा। निवेशक इसमें निवेश के लिए 10 जुलाई, 2026 तक बोली लगा सकते हैं। इसके लिए मूल्य का दायरा (प्राइस बैंड) 398-419 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। कंपनी ने शुक्रवार को यहां आयोजित प्रेसवार्ता में बताया कि कुसुमगर लिमिटेड का आईपीओ 08 जुलाई को खुलेगा और 10 जुलाई, 2026 को बंद होगा। इसमें निवेश के लिए एंकर निवेश 7 जुलाई को बोली लगा सकते हैं। कंपनी ने इसके लिए लिए मूल्य का दायरा (प्राइस बैंड) 398-419 रुपये प्रति शेयर तय किया

है। कुसुमगर लिमिटेड का आईपीओ 650 करोड़ रुपये का ऑफर फॉरसेल (ओएफएस) है। कंपनी के 1 रुपये अंकित मूल्य वाले इस इश्यू में निवेशक न्यूनतम 35 इक्विटी शेयरों के लिए और उसके बाद 35 इक्विटी शेयरों के गुणकों में बोली लगा सकते हैं। कंपनी अपने पात्र कर्मचारियों के लिए 3.5 करोड़ रुपये के शेयर आरक्षित किए हैं, जो उन्हें अंतिम निर्गम मूल्य पर 39 रुपये प्रति शेयर की छूट पर प्राप्त होंगे। इसके शेयरों के अलॉटमेंट को 13 जुलाई तक अंतिम रूप दिए जाने की उम्मीद है। कंपनी के शेयर 15 जुलाई को शेयर बाजार में सूचीबद्ध करने का प्रस्ताव है। उल्लेखनीय है कि 1990 में स्थापित ये कंपनी बुने हुए लेपित और लेमिनेटेड सिंथेटिक कपड़ों की निर्माता है, जिन्हें इंजीनियर्ड कपड़े कहा जाता है। कुसुमगर लिमिटेड कंपनी पॉलियामाइड्स और पॉलिएस्टर फिलामेंट्स और पॉलीयूरेथेन रसायन विज्ञान पर ध्यान केंद्रित करते हुए इंजीनियर कपड़े और समाधान प्रदान करती है, जो अपने ग्राहकों की उच्च-प्रदर्शन आवश्यकताओं को पूरा करती है।

फिल्म

शाहिद कपूर ने 18 करोड़ रुपये में साइन की कॉमेडी फिल्म अदल बदल, जाह्नवी कपूर संग बनेगी जोड़ी

शाहिद कपूर को आखिरी बार फिल्म कॉकटेल 2 में देखा गया, जिसमें वह रश्मिका मंदाना और कृति सैनन के साथ इश्क लड़ाते हुए नजर आए। खबर है कि अब उन्होंने अपनी अगली फिल्म की तरफ कदम बढ़ा दिया है, जो सिनेमाघरों में रिलीज होगी। अमित रविंद्रनाथ शर्मा द्वारा निर्देशित इस कॉमेडी फिल्म के लिए शाहिद ने 18 करोड़ रुपये की डील भी कर ली है। सूत्रों का कहना है कि वह फिल्म की तैयारी में जल्द ही जुट जाएंगे। रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म का शीर्षक अदल बदल है और इसकी शूटिंग अक्टूबर, 2026 से शुरू होगी। सूत्र ने कहा, फिल्म का निर्माण सुनीर खेत्रपाल और अमेजन एमजीएम मिलकर कर रहे हैं। इसकी शूटिंग अक्टूबर, 2026 में शुरू होगी। बजट को लेकर परियोजना लेने को लेकर कुछ दुविधाएं थीं, लेकिन अब सब ठीक है। शाहिद ने परियोजना के लिए 18 करोड़ रुपये की फीस ली है और फिल्म के मुनाफे की स्थिति में उन्हें एक अतिरिक्त राशि भी मिलेगी। सूत्र ने आगे बताया कि फिल्म में शाहिद के साथ जाह्नवी कपूर मुख्य किरदार में होंगी। यह पहली बार होगा, जब दोनों साथ काम कर रहे हैं। इससे पहले, शाहिद की फिल्म तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया (2024) में जाह्नवी ने कुछ मिनट का कैमियो किया था। बताया जा रहा है कि अदल बदल आत्माओं के आदान-प्रदान की अवधारणा पर आधारित मजेदार कॉमेडी होगी। फिलहाल, शाहिद अपनी आगामी सीरीज फर्जी 2 की शूटिंग में व्यस्त चल रहे हैं।

छाप

फिल्मों के चुनाव को लेकर चेतना पांडे का बेबाक बयान, स्क्रीन टाइम नहीं, दमदार किरदार चाहिए

अभिनेत्री चेतना पांडे को हालिया रिलीज फिल्म हॉन्टेड 3डीः इकोज ऑफ द पास्ट से दर्शकों से अच्छा रिस्पॉन्स मिला। इस सफलता के बीच चेतना ने करियर, फिल्मों के चुनाव और भविष्य की योजनाओं को लेकर कहा कि अब वह केवल ऐसे प्रोजेक्ट्स का हिस्सा बनना चाहती हैं, जो उन्हें एक कलाकार के तौर पर आगे बढ़ाएं और दर्शकों के दिलों पर गहरी छोड़ें। चेतना पांडे ने कहा, करियर के इस पड़ाव पर मैं खुद को किसी एक तरह के किरदार या फिल्म शैली तक सीमित नहीं रखना चाहती। हॉरर फिल्म में काम करने के बाद मुझे इस शैली की ताकत का एहसास हुआ है, इसलिए मैं आगे भी हॉरर फिल्मों में काम करना चाहूंगी। मैं सिर्फ इसी शैली तक सीमित नहीं रहना चाहती। एक कलाकार के रूप में मेरा सबसे बड़ा सपना खुद को और अपने दर्शकों को लगातार नए रूप में चौंकाना है। अभिनेत्री ने कहा, मैं ऐसा किरदार निभाना चाहती हूं, जो मुझे भावनात्मक, मानसिक और शारीरिक रूप से चुनौती दे और मुझे आगे बढ़ाता रहे। चाहे कोई बड़ी कमर्शियल फिल्म हो, थ्रिलर हो या फिर बायोपिक, मेरे लिए सबसे ज्यादा मायने यह बात रखती है कि मेरा किरदार दर्शकों के मन में लंबे समय तक बना रहे। चेतना ने कहा, मुझे फिल्म में ज्यादा स्क्रीन टाइम नहीं चाहिए। मैं ऐसे रोल्स को प्राथमिकता देती हूं, जिनकी कहानी में दम हो और जो कुछ कहने की ताकत रखते हों। मैं केवल ग्लैमर दिखाने वाली भूमिकाओं की बजाय ऐसी कहानियों का हिस्सा बनना चाहती हूं, जो लोगों को सोचने पर मजबूर करें। हर नया प्रोजेक्ट मुझे पहले किए गए काम से आगे ले जाए और कुछ नया सिखाए। चेतना ने कहा, मैं अभी भी इस पूरे अनुभव को समझने और महसूस करने की कोशिश कर रही हूं। जब कोई कलाकार लंबे समय तक किसी फिल्म पर मेहनत करता है, कई तरह की चुनौतियों का सामना करता है और यह उम्मीद करता है कि दर्शक उसके काम को पसंद करेंगे, तब सफलता मिलने के बाद उस पल को तुरंत समझ पाना आसान नहीं होता। हॉन्टेड 3डी फिल्म की सफलता पर खुशी जताते हुए चेतना ने कहा, पिछले कुछ दिन जश्न से ज्यादा आभार के रहे हैं। मैंने सबसे पहले परिवार, दोस्तों और उन लोगों से बात की, जिन्होंने इस सफर में हर कदम पर मेरा साथ दिया। मेरे लिए सबसे बड़ी खुशी यही है कि मेरे करीबी लोग मेरी सफलता से खुश हैं।

कॉकटेल 2, कैरी ऑन जट्टा 4, मां इंति बंगारम और मैं वापस आऊंगा ने भी दर्ज की अच्छी कमाई

बॉक्स ऑफिस पर मंगलवार का दिन सभी फिल्मों के लिए उत्साहजनक रहा। सस्ती टिकटों की पेशकश का असर सिनेमाघरों में साफ दिखाई दिया और लगभग सभी फिल्मों की कमाई में बढ़ोतरी दर्ज की गई। हालांकि, अक्षय कुमार की मल्टीस्टारर वेलकम टू द जंगल ने एक बार फिर टिकट खिड़की पर अपना दबदबा कायम रखा। फिल्म ने सोमवार को 8.50 करोड़ रुपये का कारोबार किया था, जबकि सैकनिल्क की शुरुआती रिपोर्ट के अनुसार मंगलवार को इसकी कमाई बढ़कर 9.25 करोड़ रुपये पहुंच गई।

इसके साथ ही रिलीज के पांच दिनों में फिल्म का कुल भारतीय नेट कलेक्शन 81.50 करोड़ रुपये हो गया है। उधर, गिप्पी ग्रेवाल अभिनीत पंजाबी फिल्म कैरी ऑन जट्टा 4 भी दर्शकों को आकर्षित करने में सफल रही। फिल्म ने सोमवार की तरह मंगलवार को भी 1.40 करोड़ रुपये का कारोबार किया। पांच दिनों में इसका कुल भारतीय नेट कलेक्शन 10.60 करोड़ रुपये हो चुका है। शाहिद कपूर की कॉकटेल 2 नई रिलीज फिल्मों के बीच भी मजबूत प्रदर्शन कर रही है। फिल्म ने दूसरे सोमवार को 1.75 करोड़ रुपये कमाए थे, जबकि दूसरे मंगलवार को इसकी कमाई बढ़कर 1.85 करोड़ रुपये हो गई। 12 दिनों में फिल्म का कुल भारतीय नेट कलेक्शन 86.75 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। वहीं, सामंथा रुथ प्रभु की मां इंति बंगारम ने भी बॉक्स ऑफिस पर स्थिर प्रदर्शन जारी रखा। फिल्म ने दूसरे सोमवार और दूसरे मंगलवार, दोनों दिन 1.60 करोड़ रुपये की कमाई की। इसके साथ ही 12 दिनों में इसका कुल भारतीय नेट कलेक्शन 51.45 करोड़ रुपये हो गया है। इम्तियाज अली निर्देशित मैं वापस आऊंगा तीसरे सप्ताह में भी दर्शकों का साथ बनाए हुए है। फिल्म ने तीसरे सोमवार को 1.50 करोड़ रुपये कमाए थे, जबकि तीसरे मंगलवार को इसकी कमाई बढ़कर 1.75 करोड़ रुपये दर्ज की गई। 19 दिनों में फिल्म का कुल भारतीय नेट कलेक्शन 49.55 करोड़ रुपये हो गया है। मंगलवार की कमाई के आंकड़े बताते हैं कि रियायती टिकटों की योजना का फायदा लगभग सभी फिल्मों को मिला। हालांकि, वेलकम टू द जंगल बॉक्स ऑफिस पर सबसे आगे बनी हुई है, जबकि कॉकटेल 2 भी लगातार मजबूत प्रदर्शन करते हुए 85 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर चुकी है।

बेहतर स्वास्थ्य के लिए सिर्फ पौष्टिक भोजन नहीं, उसे सही तरीके से पकाना भी है जरूरी

आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में स्वास्थ्य को प्राथमिकता देना हर किसी के लिए बहुत जरूरी है। लेकिन इसके साथ ही यह समझना भी जरूरी है कि अच्छा स्वास्थ्य केवल पौष्टिक भोजन खाने से ही नहीं, बल्कि उसे सही तरीके से पकाने पर भी निर्भर करता है। स्मार्ट कुकिंग की आदतें अपनाकर हम भोजन को अधिक पौष्टिक, स्वादिष्ट और स्वास्थ्यवर्धक बना सकते हैं। खाना पकाते समय छोटी-छोटी सावधानियां लंबे समय तक हमें कई बीमारियों से बचाने में मदद करती हैं। भारत सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर बताया कि खाना बनाते समय तेल की मात्रा को नियंत्रित करना बहुत आवश्यक है। अक्सर लोग बिना माप के तेल डाल देते हैं, जिससे भोजन में आवश्यकता से अधिक वसा शामिल हो जाती है। इसलिए, तेल डालने के लिए हमेशा चम्मच का उपयोग करना चाहिए। इससे तेल की सही मात्रा का उपयोग होता है और अतिरिक्त कैलोरी से बचाव होता है। कम तेल में बना भोजन हृदय के लिए बेहतर होता है तथा मोटापा, उच्च रक्तचाप और कोलेस्ट्रॉल जैसी समस्याओं के खतरे को भी कम करता है। दूसरी महत्वपूर्ण आदत है बार-बार तला हुआ भोजन खाने से बचना। तले हुए खाद्य पदार्थ स्वादिष्ट तो लगते हैं, लेकिन इनमें अधिक मात्रा में वसा और कैलोरी होती है। नियमित रूप से समोसा, पकौड़े, चिप्स, पूड़ी या अन्य तले हुए खाद्य पदार्थ खाने से मोटापा, मधुमेह और हृदय रोगों का जोखिम बढ़ सकता है। यदि कभी तला हुआ भोजन खाना भी हो, तो उसे सीमित मात्रा में और कभी-कभार ही खाना चाहिए। दैनिक भोजन में ताजे फल, हरी सब्जियां, दालें और साबुत अनाज को अधिक स्थान देना चाहिए। स्वस्थ जीवन के लिए खाना पकाने के तरीकों का चुनाव भी बहुत महत्वपूर्ण है। चीजों को तेल में तलने के बजाय भाप में पकाना, भूनना, उबालना या ग्रिल करना अधिक लाभदायक होता है। भाप में पकी सब्जियों में विटामिन और खनिज अधिक मात्रा में सुरक्षित रहते हैं। ग्रिल या रोस्ट किए गए खाद्य पदार्थ कम तेल में तैयार हो जाते हैं और उनका स्वाद भी अच्छा रहता है। इसी प्रकार हल्का भूनकर या उबालकर बनाया गया भोजन पाचन के लिए भी बेहतर माना जाता है। इसके अलावा, ताजी सामग्री का उपयोग करना, भोजन को अधिक देर तक न पकाना और आवश्यकता से अधिक नमक तथा चीनी का प्रयोग न करना भी स्मार्ट कुकिंग का हिस्सा है। घर का ताजा बना भोजन हमेशा बाहर के जंक फूड की तुलना में अधिक सुरक्षित और पौष्टिक होता है।

9 साल पहले आई फिल्म जया जानकी नायक ने अब दुनियाभर में रचा इतिहास,

यूट्यूब पर मिले 1 बिलियन व्यूज, रकुल प्रीत ने निभाया था लीड रोल

रकुल प्रीत सिंह और बेलमकोंडा साई श्रीनिवास की फ्लॉप फिल्म जया जानकी नायक ने अपने नाम रिकॉर्ड कर लिया है. ये इंडियन फिल्म यूट्यूब पर 1 बिलियन व्यूज पाने वाली दुनिया की पहली फिल्म बन गई है. फिल्म ने 1 बिलियन व्यूज का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है. बता दें कि पीएसवाई म्यूजिक वीडियो का गंगनम स्टाइल ये आंकड़ा पार करने वाला पहला म्यूजिक वीडियो है. हालांकि, फिल्मों के मामले में जया जानकी नायक ने रिकॉर्ड बना लिया है. ये फिल्म 2017 में आई थी और बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप हो गई थी. रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म 40 करोड़ के बजट में बनी थी और फिल्म ने 20 करोड़ का वर्ल्डवाइड कलेक्शन किया था. फिल्म को रिव्यूज भी खराब मिले थे. हालांकि, यूट्यूब पर इस फिल्म को व्यूअर्स मिले और फिल्म ने धमाका कर दिया. बता दें कि फिल्म के तेलुगू वर्जन को जया जानकी नायक टाइटल मिला और हिंदी में फिल्म का टाइटल खूंखार था. चैनल ने हिंदी डब वर्जन 7 साल पहले रिलीज किया था. फिल्म को बोयापति श्रीनू डायरेक्ट किया था. उन्होंने फिल्म के रिकॉर्ड पर रिएक्ट किया है और एक पोस्ट शेयर किया. उन्होंने लिखा, 1 बिलियव व्यूज. 1000 मिलियन हार्ट्स. 100 करोड़ इमोशन्स. 1 फिल्म. पहली फिल्म जिसने ये माइलस्टोन पाया. प्यार और सपोर्ट के लिए थैंक्यू. बता दें कि अल्लू अर्जुन की सर्राइनोडु ये रिकॉर्ड बनाने वाली पहली फिल्म बन सकती थी. लेकिन लाखों व्यूज वाले फिल्म का हिंदी वर्जन डिलीट करके दोबारा अपलोड किया गया था. वर्क फ्रंट की बात करें तो डायरेक्टर श्रीनू ने अखंडा 2 बनाई. वहीं रकुल प्रीत सिंह को फिल्म पति पत्नी और वो दो में देखा गया. इस फिल्म में आयुष्मान खुराना, वामिक गब्बी और सारा अली खान जैसे स्टार्स हैं.

कच्चे अंकुरित अनाज का सेवन क्यों है सेहत के लिए फायदेमंद ? जानें इसके 5 लाभ

कच्चे अंकुरित अनाज को सेहत के लिए बहुत अच्छा माना जाता है। ये न केवल स्वाद में अच्छे होते हैं, बल्कि सेहत के लिए भी बहुत फायदेमंद होते हैं। अंकुरित अनाज में विटामिन्स, मिनरल्स और एंटीऑक्सीडेंट्स की मात्रा अधिक होती है, जो शरीर को ऊर्जा देने के साथ-साथ कई बीमारियों से बचाए रखने में मदद कर सकते हैं। आइए जानते हैं कि कच्चे अंकुरित अनाज को खाने से क्या-क्या फायदे हो सकते हैं।

पाचन के लिए है बेहतरीनः कच्चे अंकुरित अनाज का सेवन पाचन के लिए बहुत अच्छा माना जाता है। ये फाइबर से भरपूर होते हैं, जो मल त्याग को आसान बनाते हैं और कब्ज जैसी समस्याओं से राहत दिलाते हैं। इसके अलावा अंकुरित अनाज में मौजूद खास तत्व पाचन को बेहतर बनाने में मदद करते हैं। नियमित रूप से इन्हें खाने से पेट साफ रहता है और पेट संबंधी बीमारियों का खतरा कम होता है। अगर आप वजन नियंत्रित करना चाहते हैं तो इसके लिए भी कच्चे अंकुरित अनाज का सेवन लाभकारी हो सकता है। ये पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं, लेकिन कैलोरी में कम होते हैं। इसलिए इन्हें खाने से पेट भरा हुआ महसूस होता है और ज्यादा खाने की इच्छा कम होती है। इसके अलावा अंकुरित अनाज में मौजूद फाइबर चर्बी के अवशोषण को कम करता है, जिससे वजन घटाने में मदद मिलती है।

दिल की सेहत को बढ़ावाः दिल की बीमारियां आजकल आम हो गई हैं। ऐसे में जरूरी है कि हम अपने खाने-पीने का खास ध्यान रखें। इसके लिए कच्चे अंकुरित अनाज का सेवन फायदेमंद हो सकता है। ये खराब कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करके दिल की सेहत में सुधार कर सकते हैं। इसके अलावा इनमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स दिल को स्वस्थ रखते हैं और रक्तचाप को नियंत्रित करने में मदद करते हैं।

प्रतिरक्षा तंत्र को मजबूती : शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली यानी इम्यूनिटी को मजबूत करने में भी कच्चे अंकुरित अनाज फायदेमंद हो सकते हैं। इनमें विटामिन-सी और अन्य एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो इम्यूनिटी को बढ़ावा देने में मदद कर सकते हैं। ये इम्यूनिटी को मजबूती देने के साथ-साथ शरीर को संक्रमण और बीमारियों से लड़ने की क्षमता भी देते हैं। इसके अलावा इनमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स शरीर में मौजूद हानिकारक तत्वों को दूर करने में भी मदद करते हैं।

मधुमेह के जोखिम में कमी : खून में शक्कर की मात्रा बढ़ने से मधुमेह का खतरा हो सकता है, लेकिन कच्चे अंकुरित अनाज से इस बीमारी के जोखिम कम किए जा सकते हैं। इनमें मौजूद फाइबर शरीर में इंसुलिन के स्तर को नियंत्रित रखने में मदद करता है। इसके अलावा इनमें मधुमेह रोधी गुण होते हैं, जो खून में शक्कर की मात्रा को नियंत्रित करने में मदद करते हैं। हालांकि, मधुमेह रोगी इन्हें अपनी डाइट में शामिल करने से पहले डॉक्टर की सलाह जरूर लें।

EC seeks TMC factions' reply on split bypolls may lead to symbol freeze

New Delhi, Agency: The Election Commission of India on Thursday wrote to the two Trinamool Congress factions, one led by Mamata Banerjee and the other by Ritabrata Banerjee, regarding their claims and counter-claims with respect to the organisational elections and authorised signatories of the party.

Sources in the EC told Media that the two groups have been asked to submit their responses by 5.30 pm on July 26. Based on the responses, the EC will take a call on whether there is indeed a split in the party, warranting proceedings under Para 15 of the Symbols Order, 1968 to decide which of the two factions is the real party entitled to use the party name and election symbol.

Usually, if a bypoll becomes imminent while a symbol dispute is pending, the EC passes an interim order freezing the disputed symbol. While EC announced assembly bypolls in Gujarat, Madhya Pradesh and Gujarat on Thursday, it excluded the seats vacant in West Bengal Nandigram and Rejinagar for want of clarity on the status of election petitions (EP) filed with respect to the two seats. After the EP status is known, EC may announce the bypolls; if the Trinamool symbol dispute is being adjudicated at the time, the poll body may freeze the 'two-flower' symbol and ask each faction to choose a different symbol until the matter is disposed of. In a recent letter to the EC, Ritabrata Banerjee had claimed that his group is the "real Trinamool Congress", commanding the support of 65 of the 80 party MLAs. The faction argued that the organisational elections were never held by the party within the three-year period mandated by Article 20 of the party constitution.

The national working committee, having been elected last on February 12, 2022, thus became defunct after February 12, 2025, it said. The group further informed EC that it had recently held the organisational election and named the new office bearers. The details of the 'elected' national working committee members were recently shared with EC and a formal claim was made to the party name, twin-flower symbol and organisational assets.

Tiger body unveils science-driven roadmap for big cat conservation

New Delhi, Agency: The National Tiger Conservation Authority (NTCA) and the Wildlife Institute of India (WII) have unveiled two landmark documents aimed at shaping the future of tiger conservation in the country. The reports introduce a science-based national strategy for active tiger management while candidly examining the success and setbacks of tiger reintroduction across 12 reserves. The flagship report, "Roadmap for Active Management of Tigers in India", lays out a comprehensive framework for managing India's rapidly expanding tiger population through evidence-based interventions, landscape-level planning and adaptive conservation strategies.

India currently supports an estimated 3,682 wild tigers, accounting for nearly 70 per cent of the world's population. "This achievement has been made possible through sustained habitat protection, prey recovery, scientific monitoring, strong law enforcement and active community participation under Project Tiger," said Sanjay Kumar, Additional Director General (Project Tiger) and Member Secretary, NTCA. The roadmap underscores that conserving tigers can no longer be limited to protected areas alone.

To avoid legal battles ED settles 150 Fema cases with RBI nod

New Delhi, Agency: Faced with a pile of cases under the Foreign Exchange Management Act (Fema) and eager to avoid prolonged legal battles, the Enforcement Directorate is settling for large-scale compounding of offences and termination of adjudication proceedings after obtaining the Reserve Bank of India's approval.

In the last 15 months, more than 150 Fema cases have been terminated by the RBI on the basis of "no-objection certificates" (NOC) issued by the ED.

Many of these cases had been pending for years. One terminated last month involved Apollo Hospitals and its directors over alleged Fema violations of around Rs 850 crore. The hospital paid over Rs 17 crore and its directors Rs 18 lakh each, following which the RBI terminated the proceedings. Since Jan, the RBI has compounded 45 such cases based on ED NoCs. Flipkart subsidiary Myntra paid Rs 2.8 lakh to settle a long-pending case related to delay in filing an annual performance report on transactions exceeding Rs 45 crore. Kakinada Seaports Ltd paid Rs 21.7 lakh, while Genpact India Pvt Ltd paid Rs 4.7 lakh to close Fema proceedings.

Omar Abdullah backs call for India-Pak talks, says even RSS favours dialogue

Srinagar, Agency: Jammu and Kashmir CM Omar Abdullah Thursday backed the calls for reopening of dialogue between India and Pakistan, saying that was the only way to ease tensions between the two neighbours. He also questioned why appeals from J&K politicians for engaging with Pakistan led to a backlash when similar statements from RSS top functionaries invited no criticism . Omar's father and National Conference president Farooq Abdullah is among the 117 signatories - 61 from India and 56 from Pakistan - to an open letter that recently appealed to the Prime Ministers of the two countries to renew talks. Talking to reporters in south Kashmir's Shopian district, Omar said: "This tension (between India and Pakistan) has existed for the past 30 to 40 years, and after last year's Pahalgam attack it increased even more. Now, through a letter, a request has been made to the Prime Minister that the relations between the two countries should improve. No one should have any objection to this." He invoked Atal Bihari Vajpayee, saying the former PM used to say that friends can be changed, but neighbours cannot. "We want relations between neighbours to improve." Pointing out that even "the biggest leader of RSS" had recently spoken in favour of talks with Pakistan, the chief minister said, "If the RSS says this, no one objects. But, when leaders from Jammu and Kashmir say the same thing, it creates an uproar." RSS chief Mohan Bhagwat and general secretary Dattatreya Hosabale had recently advocated "keeping the doors of dialogue open". Reacting to the letter, BJP accused J&K politicians of backing Pakistan's narrative and asked them to instead urge the country to dismantle its terror infrastructure and sponsorship. Apart from Farooq, PDP chief Mehbooba Mufti, Kashmir's chief cleric Mirwaiz Umar Farooq and several MLAs have also endorsed, through the letter, the call for talks.

No sir: All regular teachers at two Delhi govt schools on SIR duty

New Delhi, Agency: Should classrooms pay the price for election duty, ask educators. The entire regular teaching staff of two Delhi govt schools - one at Bhalswa and another near GTB Nagar - has been deployed for booth-level officer (BLO) duties during the peak period of the special intensive revision (SIR) of electoral rolls, citing manpower requirements for data handling, administrative work and BLO-related responsibilities, a school official said. According to the official, the Bhalswa school has around 1,200 students and approximately 20 regular teachers, all of whom have been assigned SIR work, leaving only 15 guest teachers to conduct classes across 22 sections. In the school near GTB

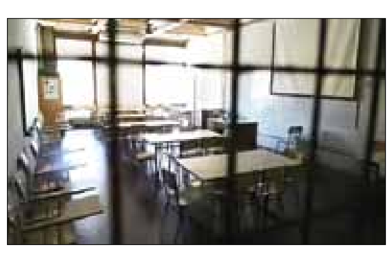

Nagar, the official said 22 teachers have been put on BLO duty and asked how the entire regular teaching staff can be picked up for non-academic work.

"It will be very difficult to teach students till Oct. Academic loss is inevitable," the school official said.

Media reached out to the principals of both schools but received no response.

Educators said the large-scale deployment could significantly disrupt classroom teaching, forcing students to bear the brunt of the staff's absence. They argued that election-related assignments should be distributed more evenly across schools so that no single institution loses a substantial portion of its teaching staff.

"If teachers have to be deployed, authorities should take a maximum of two teachers from a school. Many schools have not been asked to send even one teacher. The deployment should be distributed equally so that both election work and school education can continue," the official argued.

Media accessed an office order for manpower requirement pertaining to nine teachers of the Bhalswa school, signed by the sub-divisional magistrate/electoral registration officer (SDM/ERO) of Badli.

Three more held in Maharashtra TET paper leak case

Mumbai, Agency: The Maharashtra police, probing the alleged TET 2026 question paper leak case, have arrested three more persons, taking the total number of persons in custody to seven, officials said on Friday.

A state-appointed special investigation team (SIT) nabbed the trio, identified as Sonu Singh, Mithun Singh and Kapil Dahiya, officials said. They were produced before a local magistrate on Thursday, who remanded them to police custody, the officials said. With the latest arrests, seven individuals have been taken into custody so far, said police.

The Teacher Eligibility Test (TET) 2026 was postponed on June 27, a day before it was to be held, after police in Thane district found that a part of its question paper had been leaked and arrested three people. The SIT uncovered that the racket was spread across Delhi, Agra, Bihar, and Haryana. The investigation previously led to the arrest of Suman Kumari Gupta, the wife of the alleged mastermind, Vijendra Gupta, from Patna, after call records and financial trails linked her to him.

The SIT has sent teams to several states to track down Vijendra Gupta and his remaining associates, said officials.

The TET paper leak, which followed the national scandal caused by the leak of the NEET-UG paper, has affected nearly 6 lakh candidates.

Cong seeks judicial probe into Ujjain land 'scam'

New Delhi, Agency: The Congress on Thursday demanded a judicial probe into allegations surrounding land purchase in Ujjain by Madhya Pradesh Chief Minister Mohan Yadav's family members and associates. It also sought his resignation or recusal from office until investigations are completed.

Addressing a press conference at the AICC headquarters in New Delhi, AICC member and former MLA Praveen Pathak alleged that the controversy raised serious questions over whether privileged information relating to government projects and development plans had been used for private gain. "The question today is not merely about land purchase; rather, it is whether power and privileged information regarding government decisions and development projects were exploited for private gain," Pathak said.

The Congress leader questioned the Chief Minister's silence over the allegations, noting that more than 10 days had passed since the issue surfaced in the public domain.

"If the allegations are baseless, the government should take legal action against the media institution concerned; if they are true, the Chief Minister should resign on moral grounds," he said.

Referring to media reports, Pathak alleged that between 2021 and 2025, Yadav's family members and close relatives purchased 194 plots spread over around 253 acres in and around Ujjain at a reported value of nearly Rs 75 crore. He claimed several family-linked companies were also involved in real estate transactions in the region.

The Congress further alleged that a number of these purchases were made near road and infrastructure projects that progressed during Yadav's tenure as a minister and later as Chief Minister, including the Ujjain-Indore Road expansion and other highway projects in the region.

Zig-zag driving row: Biker gang drags cop out of car, assaults him, smashes vehicle; 14 arrested;

Nagpur, Agency: Eight bikers on a wild romp, hours before midnight allegedly assaulted a traffic cop in civvies, wrecked his private vehicle and threatened to kill him following a frivolous traffic dispute near a shrine on Mankapur Road on June 28. Fourteen persons have been arrested.

The cop, Kunal Singh, 35, attached to MIDC branch, was driving home when a group of motorcyclists with multiple pillion riders began zigzagging dangerously in front of his car, metres away from Martin Nagar culvert. Many of the bikes were fitted with double moped axles.

For generations, the first question in an arranged marriage was rarely about personality, ambitions or emotional compatibility

New Delhi, Agency: Caste, sub-caste, religion, family background and horoscope formed the first line of screening. Compatibility came much later, if at all. If a suitable match could not be found within the community, families often waited longer rather than expanding the search.

Today, that hierarchy is beginning to change. Across India's matchmaking ecosystem - from traditional independent matchmakers to curated matrimonial services and international dating platforms - one pattern is emerging: compatibility is steadily replacing community as the most valuable currency.

This does not mean caste has vanished from the marriage conversation. Far from it. Families still prefer matches within their communities where possible. But increasingly, community is becoming one consideration among many rather than an immovable condition. Shared values, emotional maturity, lifestyle, career ambitions, financial outlook and long-term goals are taking precedence, particularly among educated urban Indians who often make the final decision themselves.

The evolution reflects wider social shifts. Indians are marrying later, pursuing demanding careers, living independently across cities and countries, and looking for partners who fit the life they have built rather than merely satisfying social expectations.